https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
बुधवार, 12 अगस्त 2026
वर्ष 19 अंक 67
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 36° से.
न्यूनतम : 30° से.

jantaunion@gmail.com

पुलिस हिरासत में मौत का प्रकरण...- 3 | स्कूली वाहन चालकों का होगा चरित्र सत्यापनः एडीएम...-8

राज्यसभा ने नाम परिवर्तन विधेयक पास किया, लोकसभा में केरलम बिल पर मुहर

नई दिल्ली (जीएनएस)। मंगलवार को लोकसभा ने बिना किसी बहस के दो और बिल पास किए। हंगामे के बीच ही सदन ने केरल नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस दौरान सदस्यों ने सदन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग करते हुए नारे लगाए और प्लेकार्ड लेकर सदन के वेल में आ गए। दोनों बिल बिना किसी चर्चा के पास कर दिए गए, जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा ने देश भर के विभिन्न ट्रिब्यूनलों के लिए चेयरपर्सन और सदस्यों का चयन करने के लिए एक राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल आयोग गठित करने वाला विधेयक पारित किया।

केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि मनरेगा की जगह लागू किए गए विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी' (वीबी-जीराम-जी) अधिनियम के लागू होने के एक महीने के भीतर ही 9.69 करोड़ से अधिक 'श्रम दिवस' (काम के दिन) सृजित किए गए हैं। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि वीबी-जीराम-जी अधिनियम, 2025 को लागू कर दिया गया है और वीबी-जीराम-जी योजना को 1 जुलाई 2026 से पूरे देश के ग्रामीण इलाकों में शुरू कर दिया गया है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के दलों ने मंगलवार को दोपहर बाद राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को उपसभापति हरिवंश द्वारा बोलने की अनुमति नहीं दिए जाने पर विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन किया। जब विपक्षी दलों के सदस्यों ने बहिर्गमन किया तब उच्च सदन में 'न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026' पर चर्चा हो रही थी। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा उठाने की मल्लिकार्जुन खरगे की मांग को अस्वीकार करते हुए कहा कि वह हमेशा विपक्ष के नेता के दबाव में रहते हैं। राधाकृष्णन यह बात एक बार के स्थगन के बाद उच्च सदन की बैठक दोपहर बारह बजे पुनः शुरू होने पर कही। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जब छात्रों के आंदोलन पर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की मांग पर सरकार ने सहमति दे दी है तो फिर विपक्ष को सदन चलने देना चाहिए।

सार संक्षेप

दिल्ली हाई कोर्ट ने जून के फैसले पर लगाई रोक, यथा स्थिति बनाए रखने का निर्देश

नई दिल्ली (जीएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने 9 जून, 2026 के उस फ़ैसले और आदेश पर रोक लगा दी है, जिसने सुजान सिंह पार्क (जहाँ एम्बेसडर होटल स्थित है) की प्रॉपर्टी को लेकर भारत सरकार के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद में सर शोभा सिंह एंड संस प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में आए 2009 के ट्रायल कोर्ट के फ़ैसले को पलट दिया था। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने 10 अगस्त को सुनाए गए एक आदेश में दोनों पक्षों को निर्देश दिया कि वे दूसरी अपील का निपटारा होने तक विवादित प्रॉपर्टी के मामले में यथास्थिति बनाए रखें। कोर्ट ने केंद्र सरकार को 9 जून के फ़ैसले और आदेश पर कोई भी कार्रवाई करने से भी रोक दिया। यह विवाद सुजान सिंह पार्क में लगभग 7.58 एकड़ ज़मीन के लिए 8 अक्टूबर, 1945 को किए गए लीज़ एग्रीमेंट से जुड़ा है। कंपनी ने 1960 में सिविल कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था और प्रॉपर्टी पर सरकार के दोबारा कब्ज़ा करने के फ़ैसले को चुनौती दी थी। साथ ही, अन्य राहतों के अलावा, लीज़ एग्रीमेंट को पूरी तरह लागू करने की मांग भी की थी। यह कानूनी मामला छह दशकों से ज़्यादा समय से चल रहा है।

झारखंड में एबीवीपी कार्यकर्ताओं की राँची में पुलिस से झड़प, विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

राँची (जीएनएस)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों और नौकरी के उम्मीदवारों का आंदोलन मंगलवार को 18वें दिन में प्रवेश कर गया। इस दौरान बीजेपी ने राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया और एबीवीपी ने राज्य विधानसभा तक मार्च करने की योजना बनाई। बीजेपी ने सोमवार को विधानसभा की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में सुबह 8 बजे से आधी रात तक बंद का आह्वान किया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को झारखंड विधानसभा की ओर मार्च कर रहे एबीवीपी के 110 सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। ये सदस्य राज्य में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का विरोध कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों ने रांची के पुराने विधानसभा इलाके से अपना जुलूस शुरू किया, तभी उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

आजादी का जश्न मनाते हुए झूम उठा पूरा बलूचिस्तान! बीच-बीच में बाधा डाल रहा है पाकिस्तान

इस्लामाबाद (जीएनएस)। अपनी आजादी की वर्षगाँठ मनाने से ठीक पहले पाकिस्तान को एक बार फिर अपने ही विभाजन के दर्द का सामना करना पड़ रहा है। बलूचिस्तान में आज यानि 11 अगस्त को 'स्वतंत्रता दिवस' के रूप में मनाने का ऐलान किया गया है और बलूच राष्ट्रवादी समूह इसे राष्ट्रीय उत्सव के तौर पर देख रहे हैं। पाकिस्तान जहां 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, वहीं उसके सबसे बड़े प्रांत में एक आंदोलन यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि उसके लिए 11 अगस्त ही स्वतंत्रता की तारीख है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बलूचिस्तान स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है।

कोलंबिया में विनाशकारी भूकंप से 132 की मौत

कोलंबिया (जीएनएस)। पश्चिमी कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कम से कम 132 लोगों की मौत हो गई, सैकड़ों लोग घायल हो गए और कई शहरों में दर्जनों इमारतें ढह गईं। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) और कोलंबिया की संबंधित एजेंसी के अनुसार, भूकंप ज़मीन से लगभग 66 मील (107 किलोमीटर) की गहराई पर आया। इस ज़बरदस्त झटके को पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किया गया। कोलंबिया के राष्ट्रपति एबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करते हुए कहा, यह सरकार पीड़ितों की पूरी देखभाल और इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित इलाकों के पुनर्निर्माण की ज़िम्मेदारी पूरे संकल्प, पूरी तैयारी और पूरी प्रतिबद्धता के साथ उठाती है। राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आइए हम उन पीड़ितों और परिवारों का साथ दें जो आज इस मुसीबत का सामना कर रहे हैं; हम उन्हें उस महानता और एकजुटता का सहारा दें जो हमारे देशभक्तिपूर्ण चरित्र की पहचान है।

'हर घर तिरंगा अभियान में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं निभा रही हैं महत्वपूर्ण भूमिका' : श्री अरूण कुमार

लखनऊ जयूसं। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित लक्ष्य व निर्धारित मानकों के अनुरूप समय से राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण कर समय से आपूर्ति सुनिश्चित की जाय।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक श्री अरुण कुमार ने मंगलवार को जनपद लखनऊ के विकास खण्ड चिनहट अंतर्गत ग्राम पंचायत जुग्गौर एवं सिकन्दरपुर का भ्रमण कर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की तथा उन्हें विभिन्न आजीविका गतिविधियों एवं उद्यमों से जुड़कर आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

भ्रमण के दौरान मिशन निदेशक ने तुलसी माँ स्वयं सहायता समूह, छोटे साहब स्वयं सहायता समूह एवं बजरंगबली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात की। इन समूहों को 1.50 लाख राष्ट्रीय ध्वजों के निर्माण एवं वितरण का लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 1.30 लाख राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण एवं वितरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। मिशन निदेशक ने महिलाओं के समर्पण, गुणवत्ता एवं समयबद्ध कार्य की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि शेष लक्ष्य भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल गिरफ्तार, 2,883 करोड़ के घोटाले की जांच तेज

रायपुर (जीएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में कथित शराब घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। ईडी के रायपुर ज़ोनल ऑफिस ने इस मामले में पूछताछ के बाद अग्रवाल को गिरफ्तार किया, जो चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच में एक बड़ी कार्रवाई है। यह कदम ईडी द्वारा इस मामले में 1,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति अटैच करने के लगभग दो महीने बाद उठाया गया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत 28 मई को जारी तीन प्रोविज़नल अटैचमेंट ऑर्डर के बाद की गई थी, जिसमें लगभग 200 करोड़ रुपये की डीड वैल्यू और 1,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की अनुमानित मार्केट वैल्यू वाली संपत्तियों को निशाना बनाया गया था। ईडी ने कहा कि यह जांच रायपुर के इकोनॉमिक ऑफेंस विंग और एंटी-करप्शन ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर से जुड़ी है। एजेंसी के अनुसार, बिज़नेसमैन अनवर ढेबर और पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा की अगुवाई वाले शराब सिंडिकेट ने कथित तौर पर 2019 और 2023 के बीच राज्य की आबकारी व्यवस्था में हेरफेर किया।

पश्चिम बंगाल वोटर लिस्ट वोटर से नाम हटाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, ईसीआई से मांगा एसआईआर ट्रिब्यूनल का डिस्पोजल डेटा

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ दायर अपीलों पर ट्रिब्यूनल द्वारा किए गए फैसलों का विवरण रिकॉर्ड पर रखे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में मांग की गई थी कि वोटर लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ अपीलों का तेज़ी से निपटारा करने के लिए पश्चिम बंगाल के हर ब्लॉक में एसआईआर ट्रिब्यूनल बनाए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह बुनियादी ढांचे और मामलों के निपटारे के लिए समय-सीमा तय करने जैसी अन्य चिंताओं पर विचार करने से पहले, मौजूदा ट्रिब्यूनल द्वारा संभाले और निपटाए जा रहे मामलों की संख्या का आकलन करना चाहता है। बेंच ने श्रष्टद्व से ट्रिब्यूनल के कामकाज के बारे में खास जानकारी मांगी, जिसमें अभी चल रहे ट्रिब्यूनल की संख्या, उनके काम के घंटे और निपटाई गई अपीलों की संख्या शामिल है। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता ने अपील निपटाने के लिए एक समय-सीमा तय करने का निर्देश देने की मांग की। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि वह इस चरण में समय-सीमा तय करने की स्थिति में नहीं है।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा, समय-सीमा? वह हम तय नहीं कर सकते; पहले हमें ट्रिब्यूनल के फैसलों की संख्या और उनकी सही-गलत होने की जांच करने दें।

बेंच ने संकेत दिया कि निपटान के आंकड़े उसे ट्रिब्यूनल के काम के बोझ और कामकाज का आकलन करने में मदद करेंगे, ताकि यह तय किया जा सके कि आगे और निर्देश देने की ज़रूरत है या नहीं।

अब सड़क पर खुले नहीं दौड़ेंगे टिपर्स और डम्पर्स, मंत्रालय ने जारी किया कड़ा नोटिफिकेशन

नई दिल्ली (जीएनएस)। क्या आपने कभी किसी खुले ट्रक के पीछे गाड़ी चलाई है, यह डरते हुए कि उसमें लदा सामान आपकी गाड़ी पर गिर सकता है? या क्या आपको कभी कचरे के ऐसे ट्रक के पास से गुज़रना पड़ा है जिससे बदबू आ रही हो क्योंकि वह ढका हुआ नहीं था? हममें से ज़्यादातर लोगों ने ऐसी स्थितियों का सामना किया है। अगले साल अप्रैल से भारतीय सड़कों पर चलने वाले लोग सुरक्षित और बिना बदबू के सफ़र कर सकेंगे, क्योंकि नए नियम लागू होने वाले हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत में टिपर और डंपर के लिए सुरक्षा नियम लागू किए हैं। इसके तहत, 1 अप्रैल 2027 से सड़क पर चलते समय इन गाड़ियों में अपना सामान (लोड) ढकने के लिए एक सिस्टम लगाना ज़रूरी होगा। मंत्रालय ने सेंट्रल मोटर व्हीकल्स (बारहवां संशोधन) नियम, 2026 के तहत 28 जुलाई 2026 को यह नोटिफिकेशन जारी किया। यह नोटिफिकेशन 7 अगस्त को भारत के राजपत्र (गजट) में प्रकाशित हुआ था।

मंगल मिलन में एनडीए सांसदों ने पीएम मोदी का तिरंगे के साथ किया स्वागत, लगाए वंदे मातरम के नारे

नई दिल्ली (जीएनएस)। मंगलवार को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद में सत्ताधारी गठबंधन की साप्ताहिक संसदीय दल की बैठक के लिए पहुँचे, तो एनडीए सांसदों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ और वंदे मातरम व भारत माता की जय के नारों के साथ उनका स्वागत किया। मंगल मिलन नाम की यह बैठक संसद पुस्तकालय के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित की गई थी, जिसमें केंद्रीय मंत्री, एनडीए नेता और सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए। वहाँ मौजूद लोगों में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान और एस जयशंकर शामिल थे। एनडीए सहयोगियों का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्रियों में जेडी (एस) के एचडी कुमारस्वामी, टीडीपी के किंजरापु राम मोहन नायडू, आरएसपी-ए के रामदास बंडू अठावले, एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल, आरएलएम के उपेंद्र कुशवाहा और एनसीपीआई की शताब्दी रॉय शामिल थे।

संसद सत्र के दौरान हर मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक होती है। 20 जुलाई को शुरू हुआ मॉनसून सत्र 13 अगस्त को खत्म होने वाला है। इस सत्र में बार-बार कार्यवाही स्थगित हुई और कामकाज में रुकावटें आईं, जिससे विधायी कामकाज बहुत कम हो पाया। संसद ने पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026 और चार अन्य बिल बिना किसी खास बहस के पास कर दिए। विपक्ष के लगातार विरोध के बीच लोकसभा ने तीन और बिल पास किए। विपक्ष ने शुरुआत में नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया और अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी का आरोप लगाया। बाद में उन्होंने नीट मुद्दे पर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर चर्चा की मांग की, साथ ही प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी और उनके बयानों की भी मांग की।

बिहार में श्री अन्न क्रांति की तैयारी, आईसीआरआईएसएटी के साथ किसानों की आय बढ़ाएगी सरकार

पटना (जीएनएस)। माननीय कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज बिहार में कृषि क्षेत्र को नई तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने के लिये प्रधान सचिव श्री नर्मदेश्वर लाल, कृषि निदेशक श्री मुकेश कुमार लाल एवं निदेशक, उद्यान-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य बागवानी मिशन/बिहार फल एवं सब्जी विकास निगम श्री अभिषेक कुमार के साथ हैदराबाद के पटनचेरु स्थित अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने आईसीआरआईएसएटी के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के साथ बिहार में कृषि विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की तथा बिहार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिलेट्स वैल्यू चेन (बीकोईएमवीसी) परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। आईसीआरआईएसएटी जीनबैंक के प्रमुख डॉ. कुलदीप सिंह ने परियोजना के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति तथा बिहार में मिलेट्स आधारित मूल्य श्रृंखला के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

अपनी पहली परीक्षा में ही फेल हुआ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता

हूतियों ने पाकिस्तान-सऊदी-तुर्की के पैक्ट की हवा निकाल दी

यमन (जीएनएस)। पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के बीच हाल ही में हुए मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट (मक्का संयुक्त रक्षा समझौता) को अपनी पहली बड़ी परीक्षा में नाकामी का सामना करना पड़ा है। यमन के ईरान-समर्थित हूथी विद्रोहियों ने जाज़ान में अरामको रिफाइनरी पर हमला किया, लेकिन इस नए बने गठबंधन ने हमले का कोई साफ़ सैन्य जवाब नहीं दिया और न ही कोई चेतावनी जारी की। जाज़ान में अरामको रिफाइनरी में आग रविवार सुबह लगी। हूथी सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि सादा और हज्जा प्रांतों में सऊदी ड्रोन ऑपरेशन्स के जवाब में उनके समूह ने ड्रोन से इस सुविधा को निशाना बनाया था। बाद में सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने आग लगने की पुष्टि की और बताया कि आग बुझा दी गई है।

यह घटना सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ की मक्का में हुई मुलाक़ात और शुक्रवार को हुए समझौते पर हस्ताक्षर करने के ठीक 48 घंटे बाद हुई। इस समझौते के तहत, तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमले को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

फिर भी, जाज़ान पर हूथी हमले के बाद न तो तुर्की और न ही पाकिस्तान ने कोई प्रतिक्रिया दी, जिससे यह सवाल उठने लगे हैं कि असल संकट के समय यह सामूहिक रक्षा व्यवस्था कैसे काम करेगी। द जेरूसलम पोस्ट के एक विश्लेषण के अनुसार, कुछ इज़राइली कमेंट्री में इस समझौते को इस्लामिक ह्न्न्नह्र या एक बड़े सुन्नी गठबंधन की नींव के तौर पर दिखाया गया है; कुछ जगहों पर तो सऊदी अरब के लिए पाकिस्तानी परमाणु सुरक्षा कवच (न्यूक्लियर अम्ब्रेला) की बात भी कही गई है।

हालांकि, समझौते की उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि यह व्यवस्था उतनी ऑटोमैटिक (अपने-आप लागू होने वाली) नहीं है। इस समझौते का मकसद तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और सामूहिक प्रतिरोध (डिटेरेंस) को मज़बूत करना है। समिट के बयान के अनुसार, तीनों में से किसी भी देश पर सशस्त्र हमला होने पर उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

समिट के बयान में कहा गया, इस समझौते का मकसद किसी भी तरह की आक्रामकता के खिलाफ सामूहिक प्रतिरोध को मज़बूत करना है। इसमें यह प्रावधान है कि तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला होने पर उसे उन सभी पर हमला माना जाएगा। साथ ही, इसमें तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं को बेहतर बनाने की बात भी कही गई है।

सीएम बाल-बाल बचे: मंत्री इरफान अंसारी का बीजेपी पर बड़ा हमला, हत्या की साजिश का लगाया आरोप

राँची (जीएनएस)। झारखंड के मंत्री इरफ़ान अंसारी ने मंगलवार को कथित लाठीचार्ज को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से निपटने के राज्य सरकार के तरीके का बचाव किया। उन्होंने बीजेपी पर छात्रों के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन का समर्थन करती है। विरोध-प्रदर्शनों के बारे में बात करते हुए अंसारी ने कहा कि हमने साफ़ तौर पर कहा है कि हम शांतिपूर्ण आंदोलनों का समर्थन करते हैं। हालाँकि, जिस तरह से बीजेपी ने कल छात्रों के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश की, वह सही नहीं है।

शटडाउन (बंद) के आह्वान को लेकर बीजेपी पर निशाना साधते हुए झारखंड के मंत्री ने कहा कि उन्हें बच्चों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल करने पर शर्म आनी चाहिए। छात्रों के आंदोलन में दखल देने वाले आप कौन होते हैं? आपको किसने बुलाया? आज आपने बंद का आह्वान किया - क्यों? बंद की घोषणा करने वाले आप कौन होते हैं? पूरा बाज़ार खुला है। उन्होंने बांस के बैरिकेड लगाए थे, और हम उन्हें हटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग गोली पर विश्वास नहीं करते हैं, हम वार्ता पर विश्वास करते हैं। बीजेपी के गुंडे उनके आवास पर थे। कल हमारे सीएम बाल-बाल बच गए।

ब्राह्मण महासभा ने शुरू किया 'हर घर तिरंगा' अभियान

जनता यूनियन - मथुरा । स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ब्राह्मण महासभा द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ राधा दामोदर मंदिर से अधिकारी सेवायत कनिका प्रसाद गोस्वामी को देकर किया गया। अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा के संस्थापक सुरेश चंद्र शर्मा ने कहा कि तिरंगा केवल कपड़े का एक ध्वज नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, त्याग, बलिदान और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। देश की आजादी के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आज आवश्यकता है कि हम उनके बलिदानों को स्मरण करते हुए राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को राष्ट्रीय पर्व से जोड़ना और बच्चों तथा युवाओं में देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है।

कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के उद्घोष से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। महासभा ने अभियान को स्वतंत्रता दिवस तक व्यापक रूप से चलाने तथा अधिक से अधिक परिवारों को इससे जोड़ने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वार्ड के पार्षद वैभव अग्रवाल, गोपाल शरण शर्मा,दामोदर चंद्र गोस्वामी,ओमप्रकाश मुखिया, रविकांत गौतम, अजय बिहारी शर्मा, कृष्णमुरारी शर्मा, ब्रजेश कुमार शर्मा तथा सुधीर गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

सोने चांदी के हिंडोले में विराजमान होकर राजाधिराज ने दिए अपने भक्तों को दर्शन

जनता यूनियन - मथुरा । पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के द्वारा किया जाता है।

उसी परंपरा के तहत आज सावन मास के तेरहवें दिन ठाकुर जी महाराज सोने चांदी के हिंडोले में विराजमान हुए।

पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर जी को लाड़-लड़ाने के तहत घटा और हिंडोला में विराजमान कराया जाता है। यह क्रम पूरे सावन मास जारी रहेगा। कल संध्या उद्यापन के दर्शन 5:00 बजे खुलेंगे एवं शयन के दर्शन सायंकाल 7 बजे से 8 बजे तक होंगे जिसमे ठाकुर जी महाराज हरी घटा में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

नगर निगमः सुनवाई हुई तो जनसुनवाई में बढ गईं शिकायतों की संख्या

जनता यूनियन - मथुरा । जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री की पहल पर प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाले 'संभव' दिवस के तहत मंगलवार को भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई का नेतृत्व नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने किया। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त सुनीता कुमारी ने भी फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में प्रभावी तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए। भूतेश्वर जोन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कुल 40 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें अतिक्रमण से जुड़ी 2, सफाई से संबंधित 3 और लाइट से संबंधित 1 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। जनसुनवाई में लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने शिकायतों को दर्ज करते हुए उनके समाधान की प्रक्रिया शुरू की। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के मानसिंह अध्यक्ष व नेत्रपाल बने मंत्री

जनता यूनियन - मथुरा । रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की मथुरा शाखा का चुनाव मंगलवार को आज को एआरएम कार्यालय स्थित परिषद के कार्यालय पर चुनाव अधिकारी की गौरव शर्मा, जितेन्द्र जौहरी एवं पंकज माहेश्वरी की देखरेख में हुआ। जिसमें शाखा अध्यक्ष पद पर मानसिंह, शाखा मंत्री पद पर नेत्रपाल सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर राकेश गोयल, क्षेत्रीय प्रतिनिधि अनिल लवानियां, सतवीर सिंह, नारायण सिंह, जमुना प्रसाद शर्मासभी निर्विरोध चुने गए। इस अवसर पर परिषद के सदस्य पीयूष वर्मा, दिगम्बर सिंह, कपिल शर्मा, राजवीर सिंह, पुष्कर , प्रिया शरण, अजय लवानियां, कृष्णवीर सिंह, दिनेश लवानियां, बदन सिंह, ओमप्रकाश, राजू, सोनू, भूदेव, महेश सिंह, केहरी सिंह, अजीत सिंह, पवन पाठक, गजेन्द्र, अशोक, औंकार सिंह, मानवेन्द्र यादव, सत्यवीर सिंह, अनिल, शेखर आदि उपस्थित थे।

संगठन सृजन अभियान से कांग्रेस को मिलेगी मजबूती

जनता यूनियन - मथुरा । कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान आगामी चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं संगठन सृजन अभियान की जनपद मथुरा ऑब्जर्वर अंजली निंबालकर, सहयोगी कोऑर्डिनेटर शिवराम वाल्मीकि, प्रतिमा सिंह और अजय शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि आगामी चुनाव कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं।

जिला संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू नहीं कराई जाएगी

जनता यूनियन - मथुरा । सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के निदेशक विशाल सिंह ने अपने विभाग को आदेशित किया है कि जिला संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू नहीं कराई जाएगी।

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के साथ समन्वय बैठक में निदेशक विशाल सिंह ने अध्यक्षता करते हुए यह निर्णय लिया।

निदेशालय कांफ्रेंस हॉल में समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी के नेतृत्व में पत्रकारों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर निदेशक अपर निदेशक अरविन्द मिश्र को सभी माँगों पर निर्णय लेकर उन्होंने तत्काल निस्तारित करने का निर्देश भी दिया।

जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की जाँच प्रकरण को अध्यक्ष व सचिव भारत द्वारा उठाए जाने को संज्ञान लेते हुए निदेशक ने शीघ्रातिशीघ्र आदेश को निरस्त करने का निर्देश दिया।

सूचना निदेशक विशाल सिंह की अध्यक्षता में समिति द्वारा रखी गई प्रमुख मांगों में 58 वर्ष की आयु में पत्रकारों को पेंशन की सुविधा, जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू न कराने, पत्रकारों के लिए प्लॉट, आवास एवं फ्लैट आवंटन की व्यवस्था किए जाने, राज्य एवं जिला मुख्यालय के मान्यता प्राप्त पत्रकारों के सेवानिवृत्ति की निर्धारित आयु में पहुंचने पर मान्यता स्वतः वरिष्ठ एवं स्वतंत्र पत्रकार की श्रेणी में स्थानांतरित करने, मान्यता से संबंधित मामलों के त्वरित निराकरण हेतु मान्यता समिति का गठन, दारुलशफा स्थित ए-ब्लॉक में फोटोग्राफरों के कार्यालय से संबंधित बकाया राशि का भुगतान किए जाने, पत्रकारों एवं उनके परिवारों के लिए आयुष्मान कार्ड का कैंप लगाने, चिकित्सा हेतु कैश लेस कार्ड बनवाने, एसजीपीजीआई में चिकित्सकीय व्यवस्था सुनिश्चित करने व 25 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये किए जाने, स्वतंत्र एवं वरिष्ठ पत्रकारों तथा फोटो जर्नलिस्टों से नियमित रूप से समाचार, आलेख एवं फोटो सामग्री प्राप्त कर सरकारी पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जाने व उचित पारिश्रमिक दिए जाने का माँग पत्र दिया गया।

सूचना विभाग द्वारा आयोजित समन्वय बैठक में अपर निदेशक अरविन्द कुमार मिश्रा, सहायक निदेशक अमित यादव, वित्त नियंत्रक संजय सिंह, समिति के पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष आकाश शेखर शर्मा, अविनाश मिश्रा, राघवेन्द्र त्रिपाठी, संयुक्त सचिव विजय कुमार त्रिपाठी व अनिल सैनी, कार्यकारिणी सदस्य रीतेश सिंह, अब्दुल वहीद, रेनू निगम, वेद प्रकाश दीक्षित, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, नवेद शिकोह, सत्येंद्र कुमार राय समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में गोविंद प्रथम और मनीषा रही द्वितीय

जनता यूनियन - मथुरा । समग्र शिक्षा और राज्य विज्ञान संस्थान, उत्तर प्रदेश प्रयागराज के निर्देशानुसार जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी, भारतीय ऊर्जा का परिदृश्य संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में श्री कृष्ण सभागार में आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राजकीय उमा विद्यालय, लोहवन के छात्र गोविंद प्रथम और इस्लामिया इंटर कॉलेज की छात्रा मनीषा द्वितीय स्थान पर रही। अब ये दोनों छात्र-छात्राएं मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिसमें जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र -छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करने, वैज्ञानिक चिंतन तथा अनुसंधान की प्रवृति जागृत करना है।

आप ने झारखंड में आंदोलनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा की लाठी चार्ज की निंदा

जनता यूनियन - मथुरा । आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज में रांची झारखंड में झारखंड पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों छात्रों के ऊपर किए गए लाठीचार्ज, छोड़े गए आंसू गैस के गोले एवं पानी की बौछारों के दुरुपयोग पर घोर आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा है कि एक जनतांत्रिक सरकार के लिए किसी भी आंदोलन के प्रति इस प्रकार का बल प्रयोग करना उचित नहीं है। उन्होंने जेपीएससी एवं जेएसएससी में धांधली के सवाल पर 18 दोनों से लगातार आंदोलन कर रहे छात्रों के प्रति सरकार को शीघ्र ही अपने जिम्मेदारी समझते हुए मांगों को मनाना चाहिए। छात्रों की मांगें जायज हैं तथा इन मांगों का संबंध छात्रों के भविष्य के साथ-साथ देश के भविष्य से भी गहरा संबंध रखता है। जितनी जल्दी सरकार छात्रों की मांगों को पूरा करेगी उतनी ही जल्दी प्रदेश के अंदर शांति और विकास की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी। देश भर में जागृत हुए छात्रों को अधिक दिनों तक इंतजार नहीं कराया जा सकता।

बाइक सवारों ने महिला के कान से खींचा कुंडल

जनता यूनियन - मथुरा । थाना जैंत क्षेत्र में बाइक सवार दो युवकों द्वारा महिला के कान से कुंडल झपट कर फरार होने का मामला सामने आया है। वारदात कैलाश नगर और मयूर विहार के बीच गौशाला के समीप हुई। घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस बाइक सवार आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार पीड़िता प्रीति निवासी कैलाश नगर वृंदावन से कैलाश नगर की तरफ जा रही थीं। बताया गया है कि वह कैलाश नगर और मयूर विहार के बीच गौशाला के नजदीक पहुंचीं, तभी पीछे से बाइक पर सवार होकर आए दो युवकों ने उन्हें निशाना बनाया। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने अचानक महिला के कान पर झपट्टा मारकर कुंडल खींच लिया।

शेरगढ़ में चार दिन में दूसरी चोरी की घटना

जनता यूनियन - मथुरा । थाना शेरगढ़ के गांव शेरगढ़ में में चार दिन पहले गोपी नाथ मंदिर से चोरी की घटना सामने आई, जिसके बाद बीती रात चोरों ने अकबरपुर रोड पर परचून की दुकान की छत काट कर लाखों का सामान और बीस हजार रुपये चोरी कर ले गए।

राष्ट्र रक्षा सूत्र आह्वान एवं संकल्प रैली

जनता यूनियन - मथुरा । साध्वी ऋतंभरा जी के पावन संकल्प राष्ट्र रक्षा सूत्र बन्धन यात्रा की निरन्तरता को 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत बर्ष मनाया जा रहा है जिसके अन्तर्गत राष्ट्र रक्षा सूत्र आह्वान एवं संकल्प रैली का आयोजन सैनिकों के सम्मान और राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पर एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह (1,11,111) राखियाँ समर्पित कर स्थान स्थान पर सैनिकों को बाँधी जायेंगी।

यह रैली संविद् गुरुकुलम् गर्ल्स सैनिक स्कूल, वृंदावन के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर पवित्र श्री रंगजी मंदिर, वृंदावन तक जाएगी।

इस राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत यात्रा में विद्यालय की लगभग 500 छात्राएँ पूरे उत्साह, अनुशासन और जोश के साथ सहभागिता कर रही थीं । सैनिक वेश में छात्राएँ हाथों में रक्षा सूत्र लेकर देशवासियों को संदेश दे रहीं थी।

अपराधियों पर वृंदावन पुलिस की नकेल, चार गिरफ्तार

जनता यूनियन - मथुरा । अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वृंदावन पुलिस ने अलग-अलग चौकी क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन नाजायज चाकू तथा 450 ग्राम नाजायज गांजा बरामद किया है। रंगजी चौकी क्षेत्र में चौकी प्रभारी दीपक नागर के नेतृत्व में पुलिस ने किशोरपुरा जाटव बस्ती निवासी देवप्रकाश पुत्र जुगल किशोर को एक नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया। इसी क्षेत्र में किशोरपुरा बाल्मीकि बस्ती निवासी केशव पुत्र राम को भी एक नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया।

वहीं मथुरा गेट चौकी क्षेत्र में चौकी प्रभारी राहुल चौधरी के नेतृत्व में पुलिस ने राधानिवास निवासी सलमान पुत्र अमरुद्दीन को एक नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया। इसी कार्रवाई में राधानिवास निवासी भोला पुत्र रामवीर को एक नाजायज चाकू तथा 450 ग्राम नाजायज गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार अपराध और नशीले पदार्थों की अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

हाथी संरक्षण केंद्र में आज मनाया जाएगा विश्व हाथी दिवस

जनता यूनियन - मथुरा । विश्व हाथी दिवस मनाया जाएगा। धरातल पर ठोस शायद ही कुछ हो,लेकिन हाथी दिवस की पूर्व संध्या पर फरह के वाइल्ड लाइफ एसओएस ने विदेश की कंसल्टिंग एजेंसी मैक्यूलर से समझौता किया है। यह समझौता हाथियों की सुरक्षा और देखभाल के क्षेत्र में इतिहास गढ़ेगा, ऐसा विश्वास व्यक्त किया जा रहा है। वाइल्डलाइफ एसओएस के दो दशकों के अनुभव और हाथियों की भलाई व देखभाल करने वालों की ट्रेनिंग में एम.आई.सी की दस्तक नया गुल खिलाएगी। इसके तहत, मैक्लूअर इंटरनेशनल कंसल्टिंग ने हाल ही में फरह के हाथी संरक्षण एवं देखभाल केंद्र में एक सप्ताह व्यतीत भी किया है और एसओएस के पशु चिकित्सकों और केयर टेकरो के साथ मिलकर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए है। सेशन में हाथियों की सेहत, व्यवहार और जीवन की कुल गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रैक्टिकल और सबूतों पर आधारित तरीकों पर ध्यान दिया गया है। टीमों के बीच लगातार जानकारी साझा की गई है और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया है। पैरों की बेहतर देखभाल और चलने-फिरने की क्षमता, सकारात्मक प्रोत्साहन वाली ट्रेनिंग, हाथियों का सामाजिक मेलजोल, उनके माहौल को बेहतर बनाने और केयर टेकरो का विकास जैसे विषय कार्यशाला में रखे गए । बताया कि पुराने तरीके चोटों से जूझ रहे हाथियों के आराम और चलने-फिरने की क्षमता में मरहम का काम करेंगे। मथुरा के डी.एफ.ओ, वेंकट श्रीकर पटेल आई.एफ.एस, ने कहा, ष्हाथियों की भलाई के लिए काम करने वाली टीमों की क्षमता बढ़ाने के बेहतरीन मौके मिलते हैं। हम वाइल्डलाइफ़ एसओएस की उन कोशिशों की तारीफ़ करते हैं, जिनसे इस सेंटर में रखे गए हाथियों की देखभाल के स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

श्री बांके बिहारी समिति ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

जनता यूनियन - मथुरा । श्री बांके बिहारी समिति के तत्वावधान में तीज महोत्सव का कार्यक्रम एक निजी होटल में धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्ष वंदना अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महामंत्री दीप्ति त्रिपाठी ने राधा कृष्ण की छवि पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में समिति की बहनों द्वारा बहुत सुंदर-सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। संगठन मंत्री बीना यादव एवं सांस्कृतिक मंत्री पूनम तिवारी ने रंगारंग हाऊजी एवं तीज वाले गेम खिलाए। उपाध्यक्ष वंदना अग्रवाल एवं मंत्री रेनू अग्रवाल ने सभी बहनों का तिलक लगाकर स्वागत किया। मंत्री प्रीति अग्रवाल ने मनोरंजक गेम खिलाए। समिति की ओर से सभी बहनों को तीज उपहार भी दिए गए। मल्हार को नीता, स्नेहा, मंजू, पूनम और शालिनी ने सुंदर तरीके से गाया। नृत्य प्रस्तुतियों में ममता एवं पिंकी ने ÷चूड़ी भी जिद्द पे आइए÷, भावना एवं सपना ने ÷हाय हाय ये मजबूरी÷, दीप्ति ने ÷नैना लड़ गए÷, कामिनी ने भोले जी के गाने पर, पूनम ने ÷चूड़ी मजा ना देगी÷, राधा गोयल एवं चारू ने ÷याद पिया की आने लगीष्, तथा डॉली ने ÷परदा न करो बिहारी÷ पर बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। सभी प्रस्तुतियों को उपस्थित बहनों ने खूब सराहा। हाऊजी प्रतियोगिता में भी कई आकर्षक उपहार वितरित किए गए।

स्कूल में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन

जनता यूनियन - मथुरा । श्री नितिन कुमार, कमांडेंट, 16वीं वाहिनी, सीआरपीएफ के निर्देशन में स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 के अवसर पर 'वंदे मातरम्' थीम के अंतर्गत 16वीं वाहिनी सीआरपीएफ, मथुरा द्वारा सिकरवार पब्लिक स्कूल, मथुरा में स्कूली बच्चों एवं सीआरपीएफ अधिकारियों/जवानों के साथ 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं सीआरपीएफ कार्मिकों ने पूरे उत्साह, उमंग एवं देशभक्ति की भावना के साथ सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' के सभी छः छंदों का गायन किया। इस अवसर पर श्री जय प्रकाश सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, श्री रोहित त्रिपाठी, उप कमांडेंट, श्री लोकेश चौधरी, उप कमांडेंट तथा अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान की उपस्थित रही।

कार्यक्रम का उद्देश्य भारत सरकार व उच्च कार्यालयों के दिशा निर्देशों के अनुसार युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं मातृभूमि के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना को प्रबल करना रहा। सामूहिक गायन के दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति एवं राष्ट्र गौरव की भावना से ओत-प्रोत हो उठा।

पहलः मथुरा वृंदावन में चल रहे ई रिक्शा में डस्टबिन लगाना अनिवार्य

जनता यूनियन - मथुरा । पानी गांव रोड स्थित नवीन अनाज मंडी में आयोजित होने वाले ई रिक्शा चालकों के साथ जन-जागरूकता एवं संवाद अधिवेशन की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने सोमवार को कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने अधिकारियों को मंच, रेड कार्पेट, होर्डिंग, एलईडी स्क्रीन, बैठक व्यवस्था, ई-रिक्शा पार्किंग, तथा प्रवेश व निकास द्वार का सुव्यवस्थित लेआउट तैयार कर काम समय से पूरा करने के निर्देश दिए। गर्मी को देखते हुए प्रतिभागियों के लिए पर्याप्त कुर्सियां, कूलर, पंखे और शीतल पेयजल के समुचित इंतजाम करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य ई-रिक्शा चालकों को स्वच्छता, सुरक्षित यातायात और श्रद्धालुओं-पर्यटकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार के प्रति जागरूक करना है। नगर निगम द्वारा ई-रिक्शाओं में डस्टबिन लगाए जाएंगे, ताकि यात्री और आमजन सड़कों पर कचरा फेंकने के बजाय डस्टबिन का उपयोग करें।

पुलिस हिरासत में मौत का प्रकरण

गुरसरांय थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक व दो सिपाही निलंबित

■ छेड़खानी के झूठे आरोप से व्यथित होकर वृद्ध ने उठाया था आत्मघाती कदम

■ परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज, विभागीय व न्यायिक जाँच शुरु

झांसी जयूसं। गुरसरांय थाना परिसर में पुलिस हिरासत में हुई वृद्ध की मौत के मामले को पुलिस अफसरों ने गंभीरता से लिया है। एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से गुरसरांय थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक व दो आरक्षियों को निलंबित कर दिया। साथ ही विभागीय जांच शुरु हो गई है। वहीं, एसएसपी के आदेश पर एसपी देहात ने उक्त मामले में जांच शुरु कर दी है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है।

गुरसरांय थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगार निवासी एक व्यक्ति ने गुरसरांय थाना में मंदिर के पुजारी राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी के खिलाफ नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। इसके बाद आरोपी राजेंद्र प्रसाद को शांतिभंग की आशंका के मद्देनजर हिरासत में ले लिया था। परिजनों व वादी के प्रार्थना-पत्र के अनुसार, अपने ऊपर लगे छेड़छाड़ के आरोपों से राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी अत्यधिक मानसिक रुप से परेशान और क्षुब्ध था। राजेंद्र प्रसाद ने अपने पुत्र विनय को बताया था कि उसने बच्ची को केवल अपने बाग में लगे फूल तोड़ने पर डांटकर भगाया था, जिसे रंजिश का रुप देकर उनके खिलाफ छेड़खानी का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया गया था। इसी मानसिक क्षोभ के चलते राजेंद्र प्रसाद ने दस अगस्त को थाना के टॉयलेट में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। तत्काल पुलिस उसे गुरसरांय स्वास्थ्य केंद्र ले गई थी। हालात में सुधार न होने पर मेडिकल कालेज लाया गया था। यहां उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक के बेटे विनय कुमार द्विवेदी की तहरीर पर राम किशोर व प्रमोद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराकर शव परिजनों को सौंप दिया था। परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया था।

इस मामले को एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच के लिए प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार दुबे, सब-इंस्पेक्टर अजीत कुमार और दो कांस्टेबलों को निलंबित कर दिया गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है और प्राप्त साक्ष्यों व तथ्यों के आधार पर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश कुमार द्विवेदी बने गुरसरांय थाना प्रभारी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने गरौठा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार द्विवेदी को गुरसरांय थाना प्रभारी बनाया गया। जबकि मोंठ थाना में तैनात अतिरिक्त निरीक्षक राघवेंद्र कुमार मिश्रा को गरौठा थाना प्रभारी बनाया गया है।

घर में घुसकर मारपीट, लूटपाट, रंगदारी माँगने के आरोप में चार नामजद

झांसी जयूसं। रक्सा थाना पुलिस ने पिता, पत्नी और पुत्री के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, नकदी लूटने और एक लाख रुपए की अवैध मांग पूरी नहीं होने पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने वाले आरोपी पिता, पत्नी और पुत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

रक्सा थाने के पीछे रहने वाले सनी उर्फ सुकदेव मिश्रा ने रक्सा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 11 जुलाई को वह घर पर मौजूद था। रात्रि करीब साढ़े नौ बजे गांव का रहने वाला जितेंद्र राजपूत घर पर आया तो दरवाजे पर मौजूद सनी की मां ने जितेंद्र को टोकते हुए अपने पुत्र की उधारी के रुपए मांगे तो जितेंद्र ने रुपए देने से इंकार कर धमकी दी कि वह अब रुपए नहीं देगा और अगर रुपए दोबारा मांगे तो तो अच्छा नहीं होगा और जितेंद्र चला गया। कुछ देर बाद जितेंद्र अपनी अपनी पत्नी प्रीति, प्राची राजपूत, पत्नी प्रिया राजपूत के साथ उसके घर आया और माँ बहन की गंदी गंदी गालियां देते हुए सनी को जमीन पर पटक कर हत्या करने के उद्देश्य से दोनों हाथों से गला दबा दिया। मौके पर मौजूद सनी की माँ बीच बचाव करने आई तो उसके साथ भी मारपीट कर सनी की शर्ट की जेब में रखे पचास- पचास के दो नोट लूट लिए। सनी ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि जितेंद्र उसकी पत्नी और पुत्री ने उसे व परिवार के लोगों को धमकी दी यदि एक लाख रुपए उसे नहीं दिए तो वह महिला संबंधित गंभीर आरोप या आजीवन कारावास जैसी धाराओं के फर्जी मुकदमे दर्ज करा कर उसे जेल भिजवा देगा। पीड़ित ने एफआईआर में बताया कि यह सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। पुलिस ने आरोपी जितेंद्र, उसकी पत्नी और पुत्रियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

शातिर अभियुक्त से तीन बाइक की बरामद

झांसी जयूसं। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नवाबाद थाना पुलिस ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की तीन बाइक बरामद कर उसे जेल भेज दिया है।

नवाबाद थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश के जिला दतिया बसई निवासी रहीश यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की तीन बाइक क्रमांक यूपी 93 एके 8191, यूपी 94 एफ 3338, यूपी 93 ए ए 6379 बरामद कर ली। पकड़ा गया आरोपी शातिर वाहन चोर है, पूर्व में कई वाहन चोरी समेत आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक इसके पहले भी एक गैंग को दबोचा था। यह गैंग बाइक के पार्ट्स निकालकर बेचा करते हैं। काफी दिनों से गैंग सक्रिय था। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। यहां से उनको जेल भेजा गया।

न्यूज ब्रीफ

बाल अपचारी सहित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

झांसी जयूसं। मऊरानीपुर थाने की पुलिस ने मिलेट्री ग्राउण्ड टीकमगढ बाईपास तिराहा से एक बाल अपचारी व वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उन्हें जेल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक एक बाल अपचारी व वांछित अभियुक्त हिमान्शु श्रीवास उर्फ हिमेश निवासी मोहल्ला बघा नेहरूनगर को मिलेट्री ग्राउण्ड टीकमगढ बाईपास तिराहा से गिरफ्तार कर लिया। इन आरोपियों पर धारा 191(2) / 109 (2) /352 /353 (3) बीएनएस के तहत गिरफ्तार किया गया।

अपहरण कर दुष्कर्म करने के वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

झांसी जयूसं। प्रेमनगर थाने की पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोप में वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। यहां से उन्हें जेल भेजा गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत प्रेमनगर थाने की पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित चल दो आरोपियों को बिजौली पुलिस चौकी स्थित मथुरापुरा तिराहा के पास से पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक शिवनगर राजगढ़ में रहने वाले मनीष गोस्वामी और छोटी माता मंदिर के सामने रहने वाले साहिल अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्तों को अदालत में पेश किया। यहां से उनको जेल भेजा गया।

सड़क हादसे में कार-पिकअप क्षतिग्रस्त,ट्रक चालक पर मुकदमा

झांसी जयूसं। बीती रात रक्सा थाना में ट्रक ने बुलेरो कार और लोडर पिकअप में टक्कर मार दी जिससे दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

बताते हैं कि इरशाद और अनिल कुशवाहा अपनी गाड़ियों से रक्सा से झांसी की ओर जा रहे थे। सामने से आ रहे अज्ञात ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी गाड़ियों को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप पर लदी छह इलेक्ट्रिक स्कूटी और उसके पीछे चल रही बुलेरो कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गईं। हादसे में पिकअप के चालक को गंभीर चोटें आईं, जिसे तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत अब स्थिर और खतरे से बाहर बताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस भयानक दुर्घटना में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई।

पीड़ितों ने रक्सा थाना प्रभारी को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 11 अगस्त को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस के मुताबिक अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 281, 125 और 324 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

राष्ट्रीय सचिव जगदीश चंद जांगिड़ होंगे बुन्देलखण्ड में कांग्रेस के प्रभारी

झांसी जयूसं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उत्तर प्रदेश में संगठन को धार देने के लिए नवनियुक्त ए आई सी सी सचिव व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी राजस्थान के सादुलशहर विधानसभा से पूर्व विधायक जगदीश चंद जांगिड़ को बुंदेलखंड जोन का प्रभार सौंपा गया है। वह बुन्देलखण्ड जोन के अंतर्गत झांसी, ललितपुर, जालौन, महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, इटावा, औरैया, कन्नौज , कानपुर व कानपुर देहात जिला में ब्लॉक, मंडल, वार्ड और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के नेतृत्व में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करेंगे। श्री जांगिड़ के बुन्देलखण्ड जोन के प्रभारी बनाए जाने पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डा.सुनील तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी अमीर चंद आर्य, हरिओम श्रीवास, उमाचरण वर्मा, शहनबाज़ हुसैन, पवन राज , मुकेश साहू , कमल जैन, हरिशंकर बाल्मीकि व महमूद खां आदि ने हर्ष जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बुन्देलखण्ड में कांग्रेस संगठन को मजबूती प्राप्त होगी।

तीन बच्चों के पिता ने ससुराल में लगा ली फाँसी

■ पत्नी व बच्चों के साथ रहता था किराए के मकान में रहकर परिवार का भरण पोषण करता था

झांसी जयूसं। तीन बच्चों के पिता ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

सूत्रोंके मुताबिक ककरबई थाना क्षेत्र में रहने वाला जगदीश रजक अपनी पत्नी व तीन बच्चों के साथ पूंछ थाना क्षेत्र के बाजार मोहल्ले में स्थित एक मकान में रहता था। यहां रहकर वह मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरणपोषण करता था। मंगलवार की सुबह 11:30 बजे पड़ोस में ही ससुराल वाले मकान में जाकर बरामदे में लगे पंखे से उसने फांसी लगा ली। घटना के वक्त मकान में बाहर से ताला पड़ा था।

बताया यह जा रहा है कि बगल की दीवार फांद कर सुनसान मकान को पाकर उसने अपनी ससुराल में आकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जगदीश की पत्नी अंजना भी मेहनत मजदूरी कर गांव में घरों में काम करती है एवं अपने परिवार के साथ पड़ोस में ही एक किराए के मकान में रहती है। मृतक के तीन बच्चे है जिनमें में दो बेटी और एक बेटा है।

जगदीश की पत्नी अंजना ने बताया कि सुबह वह खाना खाकर बच्चों को स्कूल भेज कर काम पर जाने की बात कह कर चले गए थे। घटना की सूचना लगते ही पीआरबी 112 एवं थाना प्रभारी पूंछ विद्यासागर सिंह मय पुलिस फोर्स के मौके पर पहुंचे। तलाशी के दौरान जगदीश की जेब से दो कीपेड मोबाइल एवं दो पेज लिखे हुए पाए गए जिसमें पुलिस के अनुसार उसने अपने जीवन काल में किए हुए काम और कुछ लोगों से पैसे लेने की बात लिखी है। मृतक के घर पुलिस द्वारा सूचना भेज दी गई है एवं फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। मोहल्ले के कई लोगों ने बताया कि जगदीश हंसमुख स्वभाव का और मेहनत करने वाला व्यक्ति था, लेकिन इतनी बड़ी घटना को अंजाम क्यों दे दिया यह एक जांच का विषय है। फॉरेंसिक टीम द्वारा नमूने लेकर जांच होगी फिलहाल घर में मातम छाया हुआ है।

सावन शिवरात्रि पर धूमधाम से निकली समरसता जलाभिषेक यात्रा

झांसी जयूसं। श्रावण मास के उपलक्ष्य में समरसता जलाभिषेक यात्रा में उमड़े जन सैलाव ने भोलेनाथ के गीतों पर झूमते हुए कांवड़ यात्रा निकाल कर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

मंगलवार को समरसता जलाभिषेक यात्रा राष्ट्रभक्त संगठन एवं हिंदू समन्वय मंच के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अड़जरिया के नेतृत्व विधायक डॉ.बाबूलाल तिवारी एवं विधायक राजीव परीछा के मुख्य आतिथ्य में शहीद पार्क झोकन बाग से प्रारंभ होकर मड़िया महादेव गोविंद चौराहा ,मरकाजी मस्जिद, ओरछा गेट होते हुए कसाई मंडी स्थित शिवालय पर पहुँची जिसमेंसैकड़ोसंख्याएं महिलाएं कलश लेकर के एवं राष्ट्रभक्त संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ता डीजे के भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे मंदिर पहुंचकर सभी ने जलाभिषेक व रुद्राभिषेक किया गया। इसके पश्चात सभी को भंडारे का प्रसाद वितरित किया गया।

इस मंदिर को 10 वर्ष पूर्व विधर्मियों के चंगुल से मुक्त कराया गया था एवं इस यात्रा का यह आठवां वर्ष था यात्रा में प्रमुख रूप से राष्ट्रभक्त संगठन के पदाधिकारी अर्पित शर्मा, दिनेश कुशवाहा, दीपक वर्मा, छोटू कुशवाहा, साहिल मिश्रा, दिव्यांश, अमर रैकवार, प्रियांशु, हरी बाबू, अरविंद, राघवेंद्र, अंकित, विकास, अंकुश, हर्षित, राहुल, मलकीत, सोनू, मोनू, राज, गोलू यादव, राघवेंद्र, कविता, मीरा आदि उपस्थित रहे।

तिरंगे तैयार कर आत्मनिर्भर बन रही महिलाएं

झाँसी जयूसं। शासन द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने157000 तिरंगा का लक्ष्य दिया गया है। डूडा द्वारा पंजिकृत 15 स्वंय सहायता समूह एवं 7 क्षेत्र स्तरीय समिति की महिलाओं द्वारा झंण्डे तैयार किये जाने थे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिलाओं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्वंय सहायता समूह एवं क्षेत्र स्तरीय समिति से जुड़ी महिलाओं को तिरंगे तैयार करने का कार्य दिया गया। महिलाएं अपने हुनर एवं मेहनत से तिरंगे तैयार करने के साथ राष्ट्रसेवा में भी योगदान दे रही है। अपर नगर आयुक्त/ परियोजना अधिकारी, डूडा झांसी ने बताया कि 15 अगस्त गौरव एवं सम्मान का पर्व है। इस अवसर पर महिलाओं को तिरंगे बनाने के काम से जोड़ने का उददेश्य उन्हे रोजगार उपलब्ध कराने के साथ देशभक्ति की भावना से जोड़ना भी है। उन्होने बताया कि स्वंय सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने का सकरात्मक असर पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। यह भी बताया कि स्वंय सहायता समूह एवं क्षेत्र स्तरीय समिति के माध्यम से महिलाओ को विभिन्न गतिविधियो से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। जनपद झांसी के स्वंय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा 157000 तिरंगे तैयार किये गये। साथ ही सभी नगर पालिका परिषद / नगर पंचायत/ नगर निगम में स्वंय सहायता समूह एवं क्षेत्रीय स्तरीय समिति द्वारा तैयार किये गये झंण्डों को घर-घर लगवाते हुये 13 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम मनाया जायेगा।

33 वीं वाहिनी पीएसी में उत्साहपूर्वक मनाया हर घर तिरंगा अभियान-2026

झांसी जयूसं। देश एवं प्रदेश के नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा तिरंगे के साथ व्यक्तिगत एवं भावनात्मक संबंध स्थापित करने के लिए प्रेरित करने एवं राष्ट्रीय अस्मिता, देशभक्ति और गौरव को जनभागीदारी आंदोलन के रूप में सफल बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2022 से 'हर घर तिरंगा अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए च्च्वंदे मातरम्ज्ज के तृतीय चरण के साथ च्च्हर घर तिरंगा अभियान-2026च्च को उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

इसी क्रम में आज 33वीं वाहिनी पीएसी में सेनानायक अजीत कुमार सिन्हा (आईपीएस) के नेतृत्व में 09 से 17 अगस्त 2026 तक आयोजित च्च्हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेनानायक अजीत कुमार सिन्हा ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश के सभी हुतात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी केराष्ट्र प्रथमज्ज के मंत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणादायी संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकी एकता, अखंडता एवं गौरव के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाते हुए प्रत्येक नागरिक को देशहित में अपना योगदान देना चाहिए। तिरंगा यात्रा वाहिनी आरटीसी कार्यालय से प्रारंभ होकर पुलिस मॉडर्न स्कूल, गेट नंबर-05, प्रशासनिक कार्यालय एवं गेट नंबर-01 होते हुए संपन्न हुई। यात्रा के दौरान तिरंगा फहराते हुए बैंड वादन के साथ च्च्वंदे मातरम्ज्ज का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सहायक सेनानायक प्रथम सैफुद्दीन बैग, सहायक सेनानायक द्वितीय प्रदीप कुमार, शिविरपाल मनोज कुमार श्रीवास्तव, सूबेदार सैन्य सहायक धर्मराज सिंह भदौरिया सहित वाहिनी के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सदर बाजार में रानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर तिरंगा यात्रा का किया स्वागत

झाँसी जयूसं। सनशाइन क्लब झांसी के तत्वावधान में वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेन्द्र डालमिया जी की अध्यक्षता , विधायक बबीना मा. राजीव सिंह पारीछा , मनोनीत कैंट उपाध्यक्ष ध्रुव अग्रवाल , रवि माहेश्वरी जी व संस्थापक डॉ अशोक अग्रवाल काका के सानिध्य तथा कोषाध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल के संयोजन में आज रानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर सदर बाजार में निकली तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल लगभग पांच सौ स्कूली बच्चों को अल्प आहार वितरित कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती अर्चना अवस्थी , सिमरन , नीतू यादव , पूर्व अध्यक्ष संजय लिखधारी , अनिल कुमार नायक , मोहित मिश्रा , आनन्द अग्रवाल पराग फ्लेक्स , वैभव अग्रवाल , नीरज साहू , ओम प्रकाश चोपड़ा ,शशि गुप्ता ,योगेंद्र शरण अग्रवाल लाला , विष्णु गुप्ता , आशीष अग्रवाल , राहुल भंडारी, किशन त्रिपाठी , सचिन शर्मा आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

पपीते की वैज्ञानिक खेती से किसान बढ़ा सकते हैं आय

झांसी जयूसं। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुशील कुमार सिंह ने किसानों को पपीते की वैज्ञानिक ढंग से खेती करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि पपीता महत्वपूर्ण एवं पौष्टिक फल फसल है, इसकी खेती देश के अधिकांश भू-भागों में आसानी से की जा सकती है।

पपीते की खेती किसानों के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ इसके फल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि पपीते की सफल खेती के लिए सबसे पहले स्वस्थ एवं उन्नत पौध तैयार करना अथवा प्रमाणित नर्सरी से पौधे प्राप्त करना जरूरी है। जब नर्सरी के पौधे लगभग एक से सवा फीट ऊंचाई के हो जाएं, तब उनकी खेत में रोपाई करना लाभदायक रहता है। पपीते की पौध रोपाई के लिए अगस्त से 15 सितंबर तक का समय उपयुक्त माना जाता है।

उन्होंने बताया कि पपीते की रोपाई से पहले खेत में लगभग एक फीट लंबा, एक फीट चौड़ा और एक फीट गहरा गड्ढा तैयार करना चाहिए। प्रत्येक गड्ढे की मिट्टी में लगभग दो से ढाई किलोग्राम अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद मिलाकर गड्ढे में भर देना चाहिए। डॉ. सिंह ने किसानों को सलाह दी कि नर्सरी से पपीते के पौधे खरीदते समय प्रजाति का चयन विशेष सावधानी से करें। पपीते की अर्का सूर्या, रेड लेडी, ताइवान-786 और पूसा नन्हा जैसी उन्नत प्रजातियां अच्छी मानी जाती हैं।

डॉ. सुशील कुमार सिंह के अनुसार उचित दूरी एवं वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाने पर एक एकड़ में लगभग 1000 से 1200 पपीते के पौधे लगाए जा सकते हैं। अच्छी प्रजाति, अनुकूल मौसम और उचित प्रबंधन की स्थिति में किसान एक एकड़ से लगभग 500 से 600 क्विंटल तक पपीते का उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बाजार भाव, उत्पादन लागत एवं फसल प्रबंधन के आधार पर पपीते की खेती से किसान को लगभग सवा वर्ष की अवधि में एक एकड़ से ढाई से तीन लाख रुपये तक शुद्ध लाभ प्राप्त हो सकता है। उन्होंने किसानों से पपीते की खेती में उन्नत प्रजातियों के चयन, उचित दूरी, जल निकास, संतुलित पोषण एवं समय पर रोग-कीट प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

प्रवेश छात्राओं के जीवन में एक नए अध्याय का शुभारंभः प्रो. अनुभा श्रीवास्तव

झांसी जयूसं। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई राजकीय महिला महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनुभा श्रीवास्तव ने कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश छात्राओं के जीवन में एक नए अध्याय का शुभारंभ है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे अपने अध्ययन के प्रति गंभीर रहें और महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। यह बात उन्होंने बी.ए., बी.कॉम. एवं एम.ए. प्रथम वर्ष की नवप्रवेशित छात्राओं हेतु दीक्षारम्भ समारोह के अवसर पर कही है।

उन्होंने छात्राओं को अनुशासन, नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में छात्राओं को व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता एवं रोजगारपरक शिक्षा के महत्व से भी परिचित कराया गया।

वक्ताओं ने छात्राओं से कहा कि वे अपने पाठ्यक्रम के साथ-साथ विभिन्न सह-पाठ्यक्रम एवं रचनात्मक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को यह संदेश दिया गया कि महाविद्यालयीन जीवन उनके भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण चरण है। इस अवधि में प्राप्त ज्ञान, अनुभव और संस्कार उनके व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन को दिशा प्रदान करेंगे। दीक्षारम्भ समारोह में नवप्रवेशित छात्राओं में विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली। महाविद्यालय की नव प्रवेशित छात्रा रक्षा, भावना प्रजापति, हिमांदी शर्मा ने महाविद्यालय के सम्बंध मे अपने अनुभव शेयर किये।

सर्वप्रथम प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण के द्वारा सरस्वती माँ की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। देवाश्री छात्रा ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की तथा वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन भी किया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में बी.ए., बी.कॉम. एवं एम.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली छात्राओं का स्वागत किया गया। छात्राओं को महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं, विभागीय गतिविधियों, पुस्तकालय, विभिन्न समितियों तथा महाविद्यालय में आयोजित होने वाली शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम मेंआईक्यूएससी समिति सदस्य डॉ. कमलेश कुमार एवं डॉ. सुधीर कुमार की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीलम चौधरी ने किया।आईक्यूएससी समिति की सहप्रभारी प्रो. ज्योति सिंह गौतम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

खराब खान-पान की वजह से वजन बढ़ना आम समस्या

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आज के समय में वजन बढ़ना बहुत आम समस्या हो गई है। खराब खान-पान, घंटों बैठकर काम करना, कम चलना-फिरना और बिगड़ी हुई दिनचर्या की वजह से बड़ी संख्या में लोग अपने बढ़ते वजन को लेकर परेशान हैं। ऐसे में लोग वजन कम करने के लिए डाइट के साथ-साथ एक्सरसाइज का सहारा लेते हैं। खासकर सुबह के समय वर्कआउट करना काफी लोगों को पसंद होता है।

कुछ लोग सुबह उठते ही बिना कुछ खाए जिम या पार्क पहुंच जाते हैं। उनका मानना होता है कि खाली पेट एक्सरसाइज करने से शरीर ज्यादा चर्बी कम करता है और वजन जल्दी कम होता है। लेकिन वैज्ञानिक नजरिया इस पर कुछ और है। दरअसल, वजन कम करने के लिए पूरे दिन में आप कितनी कैलोरी लेते हैं, कितनी ऊर्जा खर्च करते हैं, आपकी डाइट कैसी है और आप कितनी नियमितता से एक्सरसाइज करते हैं – इन सभी चीजों की अहम भूमिका होती है। इसलिए केवल खाली पेट वर्कआउट को वजन कम करने का आसान तरीका समझना सही नहीं है।

अगर आप सुबह उठकर बिना कुछ खाए एक्सरसाइज करते हैं, तो आपको जल्दी थकान महसूस हो सकती है। रात के खाने के बाद सुबह तक शरीर को कई घंटे तक खाना नहीं मिलता। ऐसे में अगर इसके तुरंत बाद आप तेज दौड़ना, भारी वजन उठाना या हैवी एक्सरसाइज शुरू कर देते हैं, तो शरीर को पर्याप्त ऊर्जा देने में समस्या हो सकती है।

- खाली पेट व्यायाम करते समय कमजोरी, सिर घूमने या बेचैनी जैसी परेशानी
- संतुलित खाना, प्रोटीन, अच्छी नींद व पर्याप्त पानी वजन कम करने में मददगार

कुछ लोगों को खाली पेट एक्सरसाइज करते समय कमजोरी, सिर घूमने या बेचैनी जैसी परेशानी भी होती है। खासकर अगर उन्होंने पर्याप्त पानी का सेवन नहीं किया है या एक्सरसाइज बहुत ज्यादा तेज है। ऐसे समय में शरीर के संकेतों को नजरअंदाज करके वर्कआउट करते रहना ठीक नहीं है। अगर एक्सरसाइज के दौरान चक्कर आए, बहुत कमजोरी लगे या तबीयत खराब महसूस हो तो तुरंत रुक जाना चाहिए।

एक्सरसाइज के दौरान खाली पेट शरीर फैट को ऊर्जा के लिए इस्तेमाल करता है, लेकिन इससे वजन कम नहीं होता।

वजन कम करते समय एक और जरूरी बात, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज करते हैं, वो है मांसपेशियां। अगर कोई व्यक्ति बहुत कम खाना खाता है और लगातार एक्सरसाइज करता है, तो वजन कम होने के साथ मांसपेशियां भी कम हो सकती हैं। इसलिए वजन घटाने के दौरान पर्याप्त प्रोटीन और सही मात्रा में खाना लेना जरूरी है। साथ ही वजन उठाने वाली एक्सरसाइज भी शरीर को मजबूत बनाए रखने में मदद करती है। सबसे जरूरी बात यह है कि वजन घटाने के लिए किसी एक तरीके पर निर्भर रहने के बजाए पूरी दिनचर्या पर ध्यान देना चाहिए। संतुलित खाना, पर्याप्त प्रोटीन, नियमित एक्सरसाइज, अच्छी नींद और पर्याप्त पानी वजन कम करने में मददगार होते हैं।

पर्सनल लाइफ पर अफवाह फैलाने वालों पर अमृता खानविलकर हुईं सख्त

मुंबई, (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अमृता खानविलकर और उनके पति व एक्टर हिमांशु मल्होत्रा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई खबरें सामने आ रही थीं, जिसमें दावा किया जा रहा था कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं। अब अमृता ने इन खबरों पर सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। अमृता की ओर से उनकी लीगल टीम ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस की निजी जिंदगी को लेकर ऐसी खबरें और बातें शेयर की जा रही हैं, जो बेबुनियाद, मानहानि वाली और उनकी निजता का उल्लंघन करने वाली हैं। हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी है, लेकिन इस आजादी का गलत इस्तेमाल करके अमृता के बारे में अफवाह, बिना पुष्टि की गई जानकारी, गलत आरोप या भ्रामक बातें फैलाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अमृता और हिमांशु की पहली मुलाकात साल 2004 में टीवी शो इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज के सेट पर हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों की दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। कई साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने जनवरी 2015 में शादी कर ली थी।

शादी के कुछ समय बाद अमृता और हिमांशु एक साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 7 में भी नजर आए थे। शो में दोनों ने बतौर कपल हिस्सा लिया था। उस समय उनकी जोड़ी को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। अब शादी के कई साल बाद दोनों की निजी जिंदगी को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आने के बाद अमृता ने कानूनी बयान जारी किया है।

छोटी लापरवाही बन सकती है डायरिया का कारण

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। डायरिया पानी दस्त एक आम बीमारी लग सकती है, लेकिन अगर समय रहते सही देखभाल न की जाए तो यह खासकर छोटे बच्चों के लिए गंभीर समस्या बन सकती है। हालांकि डायरिया से बचाव कोई मुश्किल काम नहीं है। हमारी रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी आदतें बच्चों और पूरे परिवार को इस बीमारी से काफी हद तक सुरक्षित रख सकती हैं।

सबसे जरूरी है हाथों की सफाई। खाना खाने या खिलाने से पहले और शौचालय का इस्तेमाल करने के बाद साबुन और साफ पानी से हाथ जरूर धोने चाहिए। कई बार गंदे हाथों के जरिए कीटाणु खाने और पानी तक पहुंच जाते हैं और यही डायरिया की बड़ी वजह बनते हैं। साफ और सुरक्षित पीने का पानी भी बेहद जरूरी है। घर में इस्तेमाल होने वाले पानी को साफ और ढककर रखे गए बर्तनों में रखना चाहिए। बच्चों को हमेशा साफ और सुरक्षित पानी ही पिलाएं। पानी को खुले बर्तन में रखने से उसमें गंदगी और कीटाणु पहुंच सकते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

छोटे बच्चों के लिए जन्म के बाद पहले 6 महीने तक केवल मां का दूध ही दिया जाता है। इसके बाद उम्र के हिसाब से पौष्टिक और सही पूरक आहार देना चाहिए। मां का दूध बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है और कई संक्रमणों से बचाव करता है। घर और आसपास की साफ-सफाई पर भी ध्यान देना जरूरी है।

शौच के लिए हमेशा शौचालय का इस्तेमाल करें और बच्चों को भी इसकी आदत डालें। नालियों और आसपास जमा गंदगी को नियमित सफाई करें, क्योंकि गंदा वातावरण बीमारियों को बढ़ावा दे सकता है। अगर बच्चे या किसी अन्य व्यक्ति को डायरिया हो जाए तो शरीर में पानी की कमी न होने दें। ऐसे समय में ओआरएस और जिंक दिया जा सकता है। इसके बाद मरीज को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ले जाएं।

जन्माष्टमी से पहले यूपीएसटीडीसी ने शुरू किया 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज

लखनऊ, (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं को ब्रज धाम की आध्यात्मिक यात्रा का विशेष उपहार देते हुए 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के तहत उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने तीन दिन और दो रात का 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज शुरू किया है।

इस विशेष पैकेज के तहत श्रद्धालुओं को मथुरा, वृंदावन, गोकुल और बरसाना समेत भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रा का शुभारंभ लखनऊ से सुबह आठ बजे होगा। अधिकारियों के अनुसार यह पैकेज आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ कृष्ण-ब्रज सर्किट को और मजबूत करेगा।

- यात्रियों के लिए वातानुकूलित सेडान और क्रिस्टा वाहनों की व्यवस्था
- पैकेज में आवास, नाश्ता, जलपान, हाई-टी, प्रशिक्षित गाइड और स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण जैसी सुविधाएं

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान की व्यापक सोच का हिस्सा है, जिसके माध्यम से प्रदेश की धार्मिक पर्यटन विरासत को देश-विदेश के अधिकाधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से कृष्ण-ब्रज सर्किट को मजबूती मिलेगी और श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े प्रमुख लीलास्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा। सिंह ने कहा कि ब्रज क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा यहां लगातार बढ़ रही पर्यटकों की संख्या से लगाया जा सकता है। वर्ष 2025 में मथुरा में 10.24 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आगमन हुआ, जबकि ब्रज रंगोत्सव-2025 में 44 लाख से अधिक लोगों ने सहभागिता की। वर्ष 2026 के पहले तीन महीनों में ही करीब 1.90 करोड़ पर्यटकों के आगमन से स्पष्ट है कि ब्रज क्षेत्र देश के तेजी से उभरते आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

परिवारों एवं छोटे समूहों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए टूर पैकेज को किफायती दर पर तैयार किया गया है। यात्रियों के लिए वातानुकूलित सेडान और क्रिस्टा वाहनों की व्यवस्था की गई है। सेडान वाहन का पैकेज प्रति व्यक्ति 10,400 रुपए, जबकि क्रिस्टा वाहन का पैकेज प्रति व्यक्ति 10,150 रुपए निर्धारित किया गया है। दोनों श्रेणियों में यात्रा के लिए कम से कम दो यात्रियों का होना अनिवार्य है। पैकेज में आवास, नाश्ता, जलपान, हाई-टी, प्रशिक्षित गाइड और स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि दोपहर और रात्रि के भोजन की व्यवस्था तथा उसका खर्च यात्रियों को स्वयं वहन करना होगा।

तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन श्रद्धालुओं को वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर, रंगजी मंदिर, विधिवन, वैष्णो देवी मंदिर, अक्षय पात्र मंदिर और प्रेम मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। दूसरे दिन मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारकाधीश मंदिर, विश्राम घाट, भूतेश्वर महादेव मंदिर, गोवर्धन धाम, संग्रहालय, गीता मंदिर, पोतरा कुंड और गोकुल गांव का भ्रमण कराया जाएगा।

तीसरे और अंतिम दिन श्रद्धालु बरसाना स्थित राधारानी मंदिर, इस्कॉन मंदिर और श्री राधा दामोदर मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

यूपीएसटीडीसी के अध्यक्ष अमृत अभिजात ने कहा कि 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आध्यात्मिक अनुभव को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल यात्रियों को ब्रज क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों का सहज दर्शन कराने के साथ वहां की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराएगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह पैकेज देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के बीच ब्रज सर्किट की विशिष्ट पहचान दिलाने के साथ उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई गति प्रदान करेगा।

शारदा यूथ ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखायी अपनी प्रतिभा

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। शारदा विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स सोसाइटी एवं ऑफिस ऑफ डीन, स्टूडेंट्स' वेलफेयर ने द्वितीय शारदा यूथ ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया। प्रतियोगिता में गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर सहित विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर और सीनियर कैटेगरी के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में अपनी प्रतिभा, तकनीक और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना देखने को मिली। प्रतियोगिता की विभिन्न कैटेगरी में स्कूलों के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर कैटेगरी में रयान इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा ने प्रथम स्थान, जबकि जूनियर कैटेगरी में लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा एक्सटेंशन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कैडेट कैटेगरी में अरबाचिन स्कूल, दिल्ली ने प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। स्कूलों के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने प्रतियोगिता के स्तर को और ऊंचा किया। सीनियर कैटेगरी में शारदा विश्वविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय की ओर से त्रिया कोरंगा, मौली शर्मा और मृदुल भारद्वाज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी कैटेगरी में स्वर्ण पदक हासिल किए। विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं स्पोर्ट्स सोसाइटी ने सभी विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन का उद्देश्य कुल खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करना और उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, खेल भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा।

भेकासन से शरीर में आएगी नई ऊर्जा व लचीलापन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आधुनिक जीवनशैली में सुकून और ताजगी की तलाश के लिए योग से बेहतर और कोई उपाय नहीं हो सकता है। योगासन पद्धति में भेकासन एक ऐसा आसन है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर बताया गया है। भेकासन संस्कृत भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। भेक का अर्थ मेंढक होता है, जबकि आसन का अर्थ मुद्रा होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा कुछ-कुछ मेंढक के समान होती है, जिस वजह से इसे मेंढक आसन भी कहते हैं। भेकासन में पीठ को पीछे की तरफ मोड़कर स्ट्रेच किया जाता है। इसे करने के लिए शरीर के मध्य हिस्से की रीढ़ की हड्डी में काफी लचीलापन और ताकत चाहिए। इसके निरंतर अभ्यास से एड़ियां, घुटने और टखने मजबूत होते हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, भेकासन करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है और शरीर हल्का महसूस होता है। इस आसन से शरीर के कई हिस्सों की मांसपेशियों को फायदा होता है। खासकर पीठ के निचले हिस्से, बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, पेट की मांसपेशियां, पैर, टखने, घुटने और जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने से मांसपेशियों में खिंचाव आता है और धीरे-धीरे उनकी ताकत बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा फुर्तीला और मजबूत बनता है।

भेकासन मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में काफी असरदार माना जाता है। इसे करने से शरीर के कई हिस्सों पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनकी ताकत धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। खासकर हाथ, पैर, पीठ और पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। रोजाना अभ्यास से शरीर में एक अलग ही मजबूती का एहसास होता है। भेकासन करने के लिए सबसे पहले आराम से पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ें और पैरों को पीछे की ओर लेकर सिर के करीब लाने की कोशिश करें। दोनों हाथों से अपने टखनों या पैरों को पकड़ लें। ध्यान रखें कि छाती जमीन से लगी रहे और सांस सहज बनी रहे। इस स्थिति में कुछ सेकंड तक टिके रहें, फिर धीरे-धीरे पैरों को खोलकर आराम करें।

सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग का आगाज

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। देश के उभरते क्रिकेट सितारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और अवसर प्रदान करने की दिशा में एस.टी.सी.एल. स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग (एसटीसीएल) के राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज अभियान का शुभारंभ किया। सोमवार को नई दिल्ली स्थित पांच सितारा होटल ली मेरिडियन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लीग की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च कर देशभर में होने वाले ओपन ट्रायल की घोषणा की गई। कार्यक्रम में पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं बीसीसीआई चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा, पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा, एसटीसीएल के चेयरमैन राजेश झा, वाइस चेयरमैन रवि चिकारा और डायरेक्टर मुकेश कुमार सिंह सहित क्रिकेट जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसटीसीएल के कमिश्नर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं बीसीसीआई चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, 'हर खिलाड़ी में कुछ बड़ा हासिल करने की क्षमता होती है, लेकिन उस प्रतिभा को सही अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग की जरूरत होती है। हमारा उद्देश्य देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, कोचिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। क्रिकेट ने हमें बहुत कुछ दिया है और अब समय है कि हम देश के युवा खिलाड़ियों को कुछ वापस दें। सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग में देशभर की 8 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी।

'बोल बम' की गूंज के साथ उमड़ा जनसमुद्र

सावन के दूसरे सोमवार पर भक्ति-उल्लास का अनूठा नजारा

देवघर, (एजेंसियां)। सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में आस्था का समुद्र उमड़ पड़ा है। तड़के तीन बजे से पूरा शहर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज रहा है।

बिहार के सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए कांवरियों की भीड़ से देवघर की सड़कें केसरिया रंग में रंग गई हैं। मंदिर से लेकर कांवरिया पथ तक हर तरफ श्रद्धा और उत्साह का अनूठा माहौल है। वैद्यनाथ धाम में सदियों से प्रतिष्ठापित बाबा वैद्यनाथ की मनोकामना ज्योतिर्लिंग पर जलार्पण के लिए रविवार देर रात से ही कांवरियों की कतार लगनी शुरू हो गई थी।

सोमवार सुबह मुख्य अरघा से जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की कतार मंदिर से करीब 20 किलोमीटर दूर कुमैठा स्टेडियम तक पहुंच गई। वहीं, बाह्य अरघा से जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की कतार सरदार पंडा लाइन, शिवगंगा लेन और बीआईपी गेट के सामने तक फैली रही। प्रशासन के अनुसार, इस कतार में करीब 70 से 80 हजार श्रद्धालु शामिल रहे। सुबह 3.05 बजे बाबा मंदिर का पट खोला गया। पट खुलने के बाद पुरोहित समाज ने बाबा को पारंपरिक कच्चा जल पूजा की। करीब 15 मिनट तक चली इस पूजा में विश्व कल्याण की कामना की गई।

नदी पर बैराज बनने से नष्ट हो जाएगी सरयू की जैवविविधता

भौतिकता के बजाय वेटलैंड संरक्षण और बर्ड वाचिंग से इको-टूरिज्म बढ़ाएं

अयोध्या, (एजेंसियां)। सुबह की पहली किरण जब सरयू के जल पर गिरती है, तो लगता है जैसे नदी खुद रामकथा सुना रही हो। घाटों पर श्रद्धालु स्नान करते हैं, घंटियों की ध्वनि गूंजती है और दूर कहीं पानी की सतह पर डॉल्फिन की पीठ चमक जाती है। घड़ियाल धूप सेंकते नजर आते हैं, कछुए रेत पर रेंगते हैं। यह सिर्फ एक नदी नहीं, उत्तर भारत की उन दुर्लभ नदियों में से एक है जो अभी भी सांस ले रही है, कम प्रदूषित, जीवंत और पौराणिक। लेकिन अब इस पवित्र धारा पर भौतिकता की नजर पड़ने लगी है। धार्मिकता के लबादे में छिपी पर्यटन होड़ नयाघाट से गुप्तारघाट तक क्रूज, फ्लोटिंग रेस्तरां और आधुनिक सुविधाओं की योजनाएं बना रही है। इनके लिए सरयू पर बैराज का प्रस्ताव पर्यावरण मंत्रालय में अटका पड़ा है। अगर हरी झंडी मिल गई, तो नदी का चरित्र हमेशा के लिए बदल जाएगा। जो आज स्वतंत्र बहती है, वह कल नियोंत्रित पानी का जलाशय बनकर रह जाएगी।

पर्यावरणविद् अभिषेक दूबे, जो सरयू और उसकी सहायक नदियों पर अध्ययन कर रहे हैं, चेतावनी देते हैं कि घाघरा (सरयू) और टेढ़ी नदी के संगम के निकट प्रस्तावित बैराज दोनों नदियों की जैवविविधता पर भारी असर डालेगा। इस क्षेत्र में लुप्तप्राय गंगेय डॉल्फिन, घड़ियाल और कई प्रजातियों के कछुओं की अच्छी आबादी रहती है। सर्वेक्षणों में सरयू-घाघरा के विभिन्न हिस्सों में डॉल्फिन और घड़ियाल की उल्लेखनीय संख्या दर्ज की गई है। बैराज इन जीवों के आवास, प्रवास और प्रजनन को बाधित कर सकता है। दूबे बताते हैं कि घाघरा भारी मात्रा में गाद लेकर बहती है। बैराज बनने से ऊपर की ओर गाद जमा होगी, जलस्तर बढ़ेगा और अपस्ट्रीम में बाढ़ का खतरा और विकराल हो सकता है। पानी छोड़ने पर डाउनस्ट्रीम में भी अचानक बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। घाघरा का विस्तृत बाढ़ क्षेत्र कई महत्वपूर्ण वेटलैंड बनाता है। बैराज से ये वेटलैंड नष्ट होने का खतरा है, जिससे पक्षियों और अन्य जलीय-स्थलीय जीवों का आश्रय समाप्त हो जाएगा। इस अमूल्य जैवसंपदा को नुकसान पहुंचाने के बजाय प्रशासन को इसे अवसर के रूप में देखना चाहिए। नदी को डॉल्फिन, घड़ियाल और कछुओं के लिए और अधिक अनुकूल बनाया जाए, ताकि अयोध्या के घाटों से लोग इन जीवों को निहार सकें।

इससे रामनगरी वन्यजीव प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन सकती है। साथ ही घाघरा के कछार के महत्वपूर्ण वेटलैंड जैसे मांझा जमथरा का संरक्षण कर बर्ड वाचिंग आधारित इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए। इससे स्थानीय रोजगार भी पैदा होंगे और पर्यावरण भी बचेगा।

संपादक की कलम से

तप : धैर्य, साधना और श्रेष्ठता की अनदेखी ताकत

भारतीय संस्कृति में तप एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मूल्य रहा है। इसका संबंध केवल धार्मिक साधना से नहीं बल्कि अपनी गुणवत्ता में वृद्धि, परोपकार और किसी उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा से शारीरिक और मानसिक कष्ट सहने से है। भगीरथ, ध्रुव, दधीचि, महावीर और बुद्ध जैसे महापुरुषों से लेकर रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला तक अनेक व्यक्तित्व तप के आदर्श रहे हैं। ऐसे अनेक तपस्वी भी हुए हैं, जिन्हें व्यापक प्रसिद्धि नहीं मिली, पर जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया।

तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। सोने को तपाने से जैसे उसकी चमक बढ़ती है, वैसे ही तप मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारता है। संगीत, योग, साहित्य, भक्ति और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता का आधार भी दीर्घकालीन तप ही रहा है। पंडित रविशंकर ने अपनी आत्मकथा में अपने गुरु उस्ताद अलाउद्दीन खां के कठोर अभ्यास का जो वर्णन किया है, वह बताता है कि किसी क्षेत्र में सिद्धि बिना तप के संभव नहीं।

तप के दो ऐसे पक्ष हैं जिन पर आज कम ध्यान दिया जाता है। पहला, तप के लिए समय चाहिए, जबकि आज अधिकांश लोग शीघ्र परिणाम चाहते हैं। दूसरा, तप का सबसे बड़ा प्रभाव व्यक्ति के भीतर होता है, जो बाहर से तुरंत दिखाई नहीं देता। आज सफलता का मूल्यांकन लोकप्रियता, धन और बाजार की कसौटी पर होने लगा है। जबकि श्रेष्ठता और लोकप्रियता हमेशा एक-दूसरे की पर्याय नहीं होतीं। पतंजलि के योगसूत्र में तप को 'नियम' का आवश्यक अंग माना गया है और क्रियायोग के तीन प्रमुख तत्वों- तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान में उसको स्थान दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय चिंतन में तप केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि आत्म-विकास का अनिवार्य साधन रहा है।

हमारे समाज में तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा। उपवास, व्रत, सेवा, अनुशासन और त्याग उसी के रूप हैं। माता-पिता बच्चों को दूसरों के लिए कष्ट उठाने की शिक्षा देते थे, शिक्षक अपने शिष्यों को विषय के गहन अध्ययन के लिए प्रेरित करते थे और विद्यार्थी आज की तरह किन्हीं दर्ज बिंदुओं पर आश्रित न रह कर मूल ग्रंथों का अध्ययन करते थे। सेवा को भी तप का रूप माना जाता था।

एक परिचित ने अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा को जीवन का प्रमुख दायित्व माना जबकि उसके अन्य भाइयों ने उसमें विशेष रुचि नहीं ली। यह सेवा-तप का एक प्रेरक उदाहरण था। किसी उद्देश्य के प्रति समर्पण और उसके लिए धैर्य का धारण भी तप ही है। कई लोग किसी लक्ष्य का निर्धारण तो कर लेते हैं, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए जिस मार्ग पर चलना पड़ता है, उस पर चलने का धैर्य नहीं रखते। ऐसे में मन में जिस तरह की हड़बड़ी या जल्दी मचती है, उसके नतीजे में या तो लक्ष्य की ओर का यह सफर अधूरा रह जाता है या फिर व्यक्ति रास्ता भटक कर कहीं और पहुंच जाता है।

इसके बाद एक समस्या और आती है। अपनी चूक पर गौर नहीं करने के बाद या तो लक्ष्य को या फिर रास्ते को कठघरे में खड़ा किया जाता है। जबकि सच यह है कि आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता दिखाई देता है। आलस्य, आरामतलबी और त्वरित सफलता की इच्छा बढ़ रही है। विद्यार्थी गहन अध्ययन के स्थान पर संक्षिप्त रास्ता खोजते हैं। त्याग, सादगी, मितव्ययिता और तप जैसे मूल्य पहले जितने आदरणीय नहीं रहे। जीवन का आदर्श अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त करना बनता जा रहा है। इस सुविधा-प्रधान जीवनशैली को ही प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाने लगा है।

कुछ लोग तकनीकी प्रगति, उपभोक्तावाद और परिवार-संरचना में परिवर्तन को इसका कारण मानते हैं, लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण पूंजीवादी अर्थव्यवस्था है। यह व्यवस्था व्यक्ति को इतना धन अर्जित करने के लिए प्रेरित करती है कि भविष्य में बिना श्रम के जीवनयापन संभव हो सके।परिणामस्वरूप सुखवाद और आरामतलबी बढ़ती है और तप का महत्त्व घटता जाता है। बिना परिश्रम अधिक आय प्राप्त करने के प्रलोभन देने वाली अनेक योजनाएं इसी मानसिकता का उदाहरण हैं।

आज अगर व्यक्ति कठिन परिश्रम भी करता है तो आमतौर पर उसका उद्देश्य धन, पद या सत्ता प्राप्त करना होता है। गीता की भाषा में इसे राजसी तप कहा जा सकता है, पर यह सात्विक तप नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में किया गया कठोर श्रम भी अक्सर भविष्य के व्यक्तिगत लाभ का निवेश होता है। उसमें आत्मिक उन्नति, चरित्र-निर्माण या लोक-कल्याण का भाव अनिवार्य रूप से उपस्थित नहीं होता।

तप के अभाव में मनुष्य की गुणवत्ता का भी ह्रास होता है। केवल आर्थिक सफलता के लिए किया गया परिश्रम किसी व्यक्ति को संयमी, इंद्रियनिग्रही और निस्वार्थ नहीं बना सकता। जब समाज में तप का आदर्श कमजोर पड़ता है, तब मनुष्य स्वयं भी अधिक उपयोगी और संवेदनशील नहीं रह जाता। यह भी विचारणीय है कि कहीं हमारी दुनिया इतनी असंवेदनशील तो नहीं होती जा रही कि किसी के त्याग और कष्ट से न प्रेरणा मिलती है, न करुणा।

अगर समाज को दीर्घकालीन नैतिक और मानवीय शक्ति चाहिए, तो तप को फिर से एक आदर्श मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित करना होगा।

तप केवल कष्ट सहने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं को श्रेष्ठ बनाने और व्यापक हित के लिए समर्पित करने की वह साधना है, जिसके बिना व्यक्ति और समाज दोनों का वास्तविक उत्थान संभव नहीं।

छात्र आंदोलनों में लोगों का दोहरा मापदंड क्यों?

महेन्द्र तिवारी

लेकिन आज जब वही सवाल, वैसी ही विसंगतियां और वैसा ही दर्द रांची की सड़कों पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है, तो वह राष्ट्रीय आक्रोश कहीं खोया हुआ सा लगता है। झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्र बहुत लंबे समय से कड़ाके की ठंड और तमाम प्रशासनिक दुश्वारियों के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका यह संघर्ष 17 दिनों का लंबा सफर तय कर चुका है। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर भी आयोजित हुए हैं, लेकिन विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है और छात्रों का गहरा असंतोष जस का तस बना हुआ है।

राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर जब देश भर के छात्रों की आवाज गूंज रही थी, तब पूरे भारत में शिक्षा व्यवस्था की खामियों, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और कथित रूप से प्रश्नपत्र के अवैध तरीके से सार्वजनिक होने को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। उस समय दिल्ली में चले उस आंदोलन ने बहुत जल्द राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले लिया था। सत्ता के गलियारों से सीधे और तीखे सवाल पूछे गए, शिक्षा व्यवस्था की पूरी जवाबदेही तय करने की मांग उठी और देश के भविष्य को लेकर बड़े और आदर्शवादी बयान सामने आए। उस आंदोलन के समर्थन में देश के कई नामी, प्रतिष्ठित और प्रभावशाली चेहरे भी दिखाई दिए, जिन्होंने छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का दावा किया। समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठों से लेकर हर वैचारिक मंच पर केवल युवाओं के अधिकारों की बात हो रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा देश छात्रों के दर्द को अपना दर्द मान चुका है।

लेकिन आज जब वही सवाल, वैसी ही विसंगतियां और वैसा ही दर्द रांची की सड़कों पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है, तो वह राष्ट्रीय आक्रोश कहीं खोया हुआ सा लगता है। झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्र बहुत लंबे समय से कड़ाके की ठंड और तमाम प्रशासनिक दुश्वारियों के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका यह संघर्ष 17 दिनों का लंबा सफर तय कर चुका है। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर भी आयोजित हुए हैं, लेकिन विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है और छात्रों का गहरा असंतोष जस का तस बना हुआ है। झारखंड जैसे राज्य में जहां अधिकतर छात्र ग्रामीण और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके लिए सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं बल्कि पूरे परिवार के सामाजिक और आर्थिक उत्थान का एकमात्र साधन होती है।

ऐसे गंभीर समय में यह सवाल उठना पूरी तरह से स्वाभाविक है कि राजधानी दिल्ली में छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अपनी आवाज बुलंद करने वाले वे तमाम नामी लोग और विचारक अब कहां छिपे हैं? क्या किसी छात्र की पीड़ा और उसका दर्द दिल्ली की सीमा समाप्त होते ही अचानक से कम हो जाता है? क्या परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता का सवाल केवल देश की राजधानी में ही अधिक महत्वपूर्ण होता है और रांची या किसी अन्य प्रांतीय शहर तक पहुंचते ही उसका महत्व पूरी तरह से शून्य हो जाता है? यह एक ऐसा कड़वा विरोधाभास है जो हमारी बौद्धिक और सामाजिक चेतना पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंचकर इस पूरी बहस को एक नई और अत्यंत तीखी धार दे दी है। उन्होंने रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच जाकर न केवल उनका खुला समर्थन किया, बल्कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की एक पुरानी टिप्पणी के संदर्भ में बहुत ही तीखा कटाक्ष भी किया।

अभिनेता की भाषा, उनके तेवर और उनके शब्दों के चयन पर अलग से एक लंबी बहस हो सकती है और शायद एक स्वस्थ व लोकतांत्रिक समाज में यह बहस होनी भी चाहिए। लेकिन उन्होंने जिस मूल सवाल को पूरे देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया है, उसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह सवाल केवल इस बात तक सीमित नहीं रह गया है कि कौन सा अभिनेता या कौन सा प्रसिद्ध चेहरा किस वैचारिक गुट के साथ खड़ा है। असल और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश में छात्र आंदोलन भी अब केवल किसी राजनीतिक सुविधा का विषय बन गए हैं? क्या अब केवल यह देखा जाएगा कि सत्ता के सिंहासन पर कौन बैठा है और उसी के आधार पर यह तय होगा कि किस राज्य के छात्र के लिए आंसू बहाने हैं और किस राज्य के छात्र को उसके हाल पर बेसहारा छोड़ देना है?

जब दिल्ली में आंदोलन सत्ता के शीर्ष केंद्र के ठीक सामने हो रहा था, तब उसकी गूंज राष्ट्रीय समाचार माध्यमों तक बहुत आसानी से और तेज गति से पहुंच गई थी। हर तरफ निरंतर चर्चा हो रही थी। लेकिन हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि रांची के छात्र भी इसी देश के उतने ही महत्वपूर्ण नागरिक हैं। वे भी अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष छोटी छोटी कोठरियों में बंद रहकर पढ़ाई करते हुए गुजारते हैं। वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून पसीना एक करते हैं। उनके माता पिता भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक एक पैसा, और कई बार तो कर्ज लेकर भी, अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाते हैं। यदि उन्हें अपनी परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपात या धांधली दिखाई देती है, तो उनके सवालों का और उनके आक्रोश का महत्व दिल्ली के छात्रों के आक्रोश से एक प्रतिशत भी कम कैसे आंका जा सकता है? अन्याय का पैमाना भौगोलिक स्थान के आधार पर नहीं बदला जा सकता।

यहां दिल्ली के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठन और उसके संयोजक अभिजीत दिपके को लेकर भी कई सामाजिक मंचों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि वे रांची के मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। लेकिन उपलब्ध ताजा सूचनाएं और जमीनी तथ्य स्पष्ट रूप से बताते हैं कि वे पूरी तरह से चुप नहीं बैठे हैं। उन्होंने रांची के छात्रों के समर्थन में सार्वजनिक रूप से अपनी एकजुटता जताई है और उनके संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल भी स्थिति का जायजा लेने तथा समर्थन देने के लिए रांची पहुंच चुका है। इसलिए बिना पूरे तथ्य जाने केवल यह कह देना कि वे पूरी तरह से गायब हो गए हैं या उन्होंने इस प्रांतीय मुद्दे से अपनी आंखें मूंद ली हैं, पूरी तरह से न्यायसंगत नहीं होगा। फिर भी एक बहुत बड़ा और समाज को चुभने वाला प्रश्न हमारे सामने खड़ा रहता है। दिल्ली के आंदोलन में जिस आक्रामकता, व्यापक दृश्यता और राष्ट्रीय स्तर की लामबंदी का अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिला था, क्या वही ऊर्जा और वही उत्साह रांची के छात्रों के लिए भी दिखाई दे रहा है?

यदि इसका उत्तर नहीं है, तो हमें रुककर इसके मूल कारणों पर बहुत गहराई से विचार करना होगा। यहीं से यह सवाल भी जन्म लेता है कि क्या दिल्ली का वह चर्चित आंदोलन किसी विशेष राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित था या क्या यह कोई षड्यंत्र था? लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में षड्यंत्र का आरोप हमेशा ठोस प्रमाण मांगता है। केवल किसी आंदोलन की तीव्रता में अंतर होने या किसी प्रसिद्ध चेहरे की अनुपस्थिति को सीधे तौर पर किसी बड़े षड्यंत्र का अकाट्य प्रमाण मान लेना सर्वथा अनुचित होगा। लोकतांत्रिक विमर्श में किसी की नीयत पर संदेह अवश्य किया जा सकता है, व्यवस्था से कड़े सवाल भी पूछे जा सकते हैं, लेकिन अंतिम निष्कर्ष हमेशा तथ्यों और ठोस सबूतों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। छात्रों का दर्द न तो किसी सत्ताधारी दल की बपौती हो सकता है, न ही किसी विपक्षी दल की जागीर है और न ही किसी अन्य क्षेत्रीय दल का राजनीतिक हथियार हो सकता है। यह विशुद्ध रूप से भारत के युवाओं का और देश के भविष्य का दर्द है।

परीक्षा चाहे राष्ट्रीय स्तर की हो या राज्य स्तर की, न्याय की गुहार और अन्याय का पैमाना पूरे देश में एक समान होना चाहिए। किसी भी युवा के साथ उसकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसलिए आज यह सवाल उन तमाम नामी हस्तियों, साहित्यकारों, अभिनेताओं और विचारकों से भी है जो दिल्ली में छात्रों की बुलंद आवाज बन रहे थे। यह सवाल उन सभी राजनीतिक शक्तियों से भी है जो अपनी सुविधा और अपने चुनावी गणित के अनुसार छात्र आंदोलनों को अपना समर्थन देते हुए दिखाई देते हैं। देश के छात्रों को किसी के उपकार या झूठी सहानुभूति की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल एक निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली, एक पारदर्शी व्यवस्था तथा अपने भविष्य के प्रति सच्चा न्याय चाहिए। यदि कोई आंदोलन सचमुच छात्रों के कल्याण के लिए है, तो उसकी अग्नि का ताप देश की राजधानी दिल्ली से लेकर झारखंड की राजधानी रांची तक बिल्कुल एक समान होना चाहिए। वरना आने वाली पीढ़ियां इतिहास के पन्नों में यही सवाल पूछेंगी कि क्या उस दौर में उठी आवाजें वास्तव में छात्रों के उज्वल भविष्य के लिए उठी थीं, या फिर वे केवल किसी खास राजनीतिक मौसम का फायदा उठाने के लिए रची गई एक सुविधाजनक पटकथा का हिस्सा मात्र थीं।

गोमूत्र से कमाई मॉडल या चुनावी चमक

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर से गोमूत्र खरीद का जो पायलट मॉडल सामने आया है, उसे केवल गाय, गांव और संस्कृति की कहानी मानना आसान है, लेकिन असली सवाल इससे कहीं बड़ा है। सवाल यह है कि क्या सरकार गोमूत्र को सचमुच ग्रामीण अर्थव्यवस्था का नया उत्पाद बनाना चाहती है, या फिर ऐसी घोषणा कर रही है जिसकी चमक कुछ समय बाद सरकारी कागजों तक सिमट जाएगी। 15 गांवों से रोज करीब 500 लीटर गोमूत्र एकत्र करने का लक्ष्य सुनने में छोटा है, लेकिन इसी आंकड़े में योजना की ताकत और कमजोरी दोनों छिपी हैं। 500 लीटर प्रतिदिन का मतलब साल भर में करीब 1.82 लाख लीटर है। दस रुपये लीटर की दर से केवल खरीद पर सालाना लगभग 18.25 लाख रुपये खर्च होंगे। दर बीस रुपये हुई तो यही खर्च 36.5 लाख रुपये पहुंच जाएगा। अब सवाल यह है कि इस कच्चे माल से तैयार उत्पादों की बिक्री कितनी होगी और सरकारी खरीद के मुकाबले बाजार से कितनी आमदनी आएगी। बुलंदशहर में यह प्रयोग बिल्कुल शून्य से शुरू नहीं हुआ है। नरसेना क्षेत्र में पिछले वर्षों से महिला समूह गोमूत्र संग्रह कर रहे हैं। 2023 में वहां किसानों से 10 से 15 रुपये लीटर तक खरीद और जैविक खाद तथा कीटनाशक तैयार करने का दावा सामने आया था। उस समय एक साल में 10 हजार लीटर खरीद के बाद अगले चरण में 50 हजार लीटर का लक्ष्य बताया गया था। 2024 की रिपोर्टों में दर्जन से अधिक गांवों में महिला समूहों के संग्रह केंद्र और 20 हजार लीटर से अधिक संचयन का उल्लेख मिला। इसका मतलब साफ है कि सरकार के सामने कोई काल्पनिक प्रयोग नहीं, बल्कि पहले से चल रही स्थानीय गतिविधि को बड़े ढांचे में बदलने का अवसर है। यही कारण है कि नई योजना की असली परीक्षा घोषणा नहीं, पुराने अनुभव से सीख लेने में होगी।

छत्तीसगढ़ का उदाहरण सबसे महत्वपूर्ण है। जुलाई 2022 में वहां गोधन न्याय योजना के विस्तार के रूप में चार रुपये लीटर की दर से गोमूत्र खरीद शुरू हुई। उद्देश्य था उससे ब्रह्मास्त्र जैसे जैविक कीटनाशक और जीवामृत जैसे कृषि इनपुट बनाना। उस समय राज्य में आठ हजार से अधिक गौठानों का ढांचा भी बताया गया था। फिर भी किसी योजना की सफलता केवल खरीद केंद्रों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। यदि संग्रहित सामग्री का नियमित प्रसंस्करण, पैकेजिंग, प्रमाणन और बिक्री नहीं होती, तो खरीद अपने आप में टिकाऊ कारोबार नहीं बनती। यही वह बिंदु है जहां उत्तर प्रदेश को उत्साह से ज्यादा व्यवस्था दिखानी होगी।गुजरात का हालिया मॉडल इस बहस को एक और दिशा देता है। बनास डेयरी ने 2025 में देशी कांकरेज गाय पालने वाले करीब 150 पशुपालकों से पांच रुपये लीटर की दर पर गोमूत्र खरीदने का पायलट शुरू किया। राधनपुर के संयंत्र में इसे मृदा कंडीशनर और पौध वृद्धि से जुड़े उत्पादों में बदलने की व्यवस्था की गई। यहां महत्वपूर्ण बात खरीद की कीमत नहीं, बल्कि खरीद से पहले प्रसंस्करण और बिक्री का ढांचा है। डेयरी के पास संग्रह, परिवहन, संयंत्र, ब्रांड और बाजार की क्षमता है। उत्तर प्रदेश को भी इसी सवाल का जवाब देना होगा कि बुलंदशहर से निकलने वाला 500 लीटर प्रतिदिन आखिर किस संयंत्र में जाएगा, कितने घंटे में पहुंचेगा, किस तापमान और किस गुणवत्ता मानक पर रखा जाएगा और तैयार उत्पाद कौन खरीदेगा। गोमूत्र के कृषि उपयोग को पूरी तरह खारिज करना भी उतना ही गलत होगा जितना उसे हर बीमारी की दवा मान लेना। वैज्ञानिक साहित्य में गोबर और गोमूत्र आधारित जीवामृत जैसे मिश्रणों पर खेत परीक्षण हुए हैं और कुछ परिस्थितियों में इनके पोषक तथा सूक्ष्मजीवी प्रभाव दर्ज किए गए हैं। लेकिन खेत में किसी जैविक घोल का उपयोग और मानव औषधि के रूप में उसका सेवन दो अलग बातें हैं। इसलिए सरकार यदि गोमूत्र से दवाएं बनाने की बात करती है तो उसे आयुर्वेदिक औषधि नियमों, परीक्षण, बैच गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षा के मानकों से गुजरना होगा। परंपरा बाजार की शुरुआत कर सकती है, प्रमाणन ही उसे विश्वसनीय बाजार बनाता है।सबसे बड़ी चुनौती संग्रहण है। ताजा गोमूत्र कोई दूध नहीं है जिसे सामान्य दुग्ध शृंखला की तरह तुरंत उठाकर हर जगह पहुंचा दिया जाए। गांव में स्वच्छ संग्रह पात्र, ढक्कनयुक्त टैंक, फिल्ट्रेशन, बैच पहचान, परिवहन और प्रसंस्करण की समयसीमा तय करनी होगी। गाय की नस्ल, पशु का स्वास्थ्य, आहार, पानी, दवाओं का इस्तेमाल और मिलावट जैसी बातें गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। यदि एक गांव का माल दूसरे गांव के माल से अलग है तो तैयार उत्पाद की गुणवत्ता भी बदल सकती है। इसलिए खरीद के साथ गुणवत्ता ग्रेडिंग जरूरी है। केवल दस या बीस रुपये की कीमत तय कर देना गुणवत्ता नियंत्रण नहीं है।

300 महिलाओं को शेयरहोल्डर बनाना योजना का सबसे आकर्षक हिस्सा है, लेकिन यहीं सबसे बड़ा सवाल भी खड़ा होता है। यदि 500 लीटर रोज पर दो रुपये प्रति लीटर कमीशन का प्रावधान है, तो कुल कमीशन एक हजार रुपये प्रतिदिन और करीब 3.65 लाख रुपये सालाना होगा। 300 महिलाओं में बराबर बांटें तो औसतन लगभग 1,217 रुपये सालाना, यानी करीब 101 रुपये महीना बैठता है। इसलिए इसे महिला आर्थिक सशक्तीकरण का बड़ा मॉडल बताने से पहले यह स्पष्ट करना होगा कि महिलाओं की वास्तविक आय कितनी होगी, शेयर का स्वामित्व कैसे तय होगा, लाभांश मिलेगा या नहीं और संग्रह, प्रसंस्करण तथा बिक्री में उनका हिस्सा कितना रहेगा। सिर्फ कमीशन से आत्मनिर्भरता का दावा कमजोर पड़ जाएगा।सरकार के लिए सबसे जरूरी काम खरीद दर बढ़ाना नहीं, मांग पैदा करना होना चाहिए। यदि आज दस रुपये और कल बीस रुपये देने का वादा है, तो उसके साथ यह भी बताया जाना चाहिए कि उत्पाद कितने रुपये में बिकेगा और बाजार कितना बड़ा है। कृषि विभाग, आयुर्वेद संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय, सहकारी समितियां और निजी कंपनियां मिलकर परीक्षण करें। किसानों के खेतों पर नियंत्रित प्रदर्शन हों। उत्पादों की लागत, फसल पर असर, रासायनिक विकल्पों के मुकाबले लाभ और बाजार में दोबारा खरीद की दर सार्वजनिक की जाए। तभी पता चलेगा कि यह सब्सिडी है या कारोबार।

योजना को चुनावी चश्मे से देखना भी आसान है, खासकर जब उत्तर प्रदेश 2027 की विधानसभा चुनावी तैयारी में प्रवेश कर चुका है। लेकिन केवल इसी आधार पर इसे खारिज करना जल्दबाजी होगी। गायों से जुड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समस्या वास्तविक है। अनुपयोगी पशु किसान के लिए खर्च हैं और गोसंरक्षण तभी टिकेगा जब पशुपालन आर्थिक रूप से व्यवहार्य बने। गोबर, गोमूत्र, दूध, जैविक खाद और प्राकृतिक कृषि इनपुट को एक चक्रीय अर्थव्यवस्था में बदलना इसलिए उपयोगी विचार हो सकता है।मगर अच्छी योजना वही है जो नारे के बाद भी चलती रहे। बुलंदशहर के 500 लीटर प्रतिदिन को 5,000 या 50,000 लीटर तक ले जाना आसान घोषणा है; उसके लिए दस गुना संग्रह केंद्र, परिवहन, परीक्षण, प्रसंस्करण और बाजार चाहिए। सरकार को हर छह महीने खरीद, भुगतान, प्रसंस्करण, बिक्री और किसानों की आय के आंकड़े सार्वजनिक करने चाहिए। योजना का असली पैमाना होगा कि सरकारी पैसा बाजार बनाए, बाजार सरकार नहीं। अगर उत्पाद बाजार में बिकता है, किसानों को समय पर पैसा मिलता है, महिलाओं की आय बढ़ती है और पशुपालन का खर्च घटता है, तो इसे पूरे प्रदेश में फैलाने में कोई हर्ज नहीं। लेकिन अगर सरकारी पैसा कच्चा माल खरीदता रहे और बाजार तैयार न हो, तो यह भी उन योजनाओं की सूची में जुड़ जाएगा जिनमें शुरुआत बहुत बड़ी और परिणाम बहुत छोटे थे।

डिजिटल जनगणना — डेटा-आधारित शासन की ओर भारत

आँकड़ों की नई सुबह तब होती है, जब राष्ट्र अपनी जनता को गिनना छोड़कर उसे पढ़ना शुरू करता है। भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना का असली मर्म यही है। नागरिक अब महज संख्या नहीं, अपनी परिस्थितियों समेत दर्ज होता जीवन है। शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य की दूरी, रोजगार की प्यास और आवास की तंगी–ये विकास के हाशिए पर पड़े अदृश्य प्रश्न नहीं रहेंगे। जब इनकी वास्तविक तस्वीर सामने होगी, नीति अनुमान के सहारे नहीं, प्रमाणित सच्चाइयों के आधार पर चलेगी। विकास का अर्थ भी बदलेगा–औसत नागरिक की समृद्धि से आगे बढ़कर उस व्यक्ति तक पहुँचना, जो अब तक व्यवस्था की रोशनी से दूर है। तर्क उतना ही सीधा है जितना शासन का पहला पाठ– बीमारी की जड़ दिख जाए तो इलाज भटकता नहीं।

हर तकनीकी उजास के पीछे अँधेरे कोने भी होते हैं। इंटरनेट की पहुँच आज भी अनेक गाँवों में अधूरी है। बुजुर्गों और निरक्षरों के लिए स्क्रीन सुविधा नहीं, नई दीवार बन सकती है। गलत प्रविष्टि, अधूरा विवरण या किसी परिवार का छूटना पूरी तस्वीर बिगाड़ सकता है। सबसे संवेदनशील प्रश्न निजता का है। नागरिक सूचना विश्वास से देता है; वही डेटा गलत हाथों में पहुँचा तो चोट किसी फाइल पर नहीं, नागरिक-विश्वास पर लगेगी। जनगणना अधिनियम के तहत व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहता है, फिर भी डिजिटल माध्यम में अतिरिक्त सावधानी जरूरी है। तकनीक केवल औजार है। आधारभूत सुविधाएँ, प्रशिक्षित मानव-बल और मानवीय संवेदना साथ न हों तो डिजिटल ढाँचा बिना नींव के भवन जैसा कमजोर रहेगा।

डिजिटल जनगणना का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जब उसके केंद्र में नागरिक का जीवन धड़कता रहे। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह हो सकती है कि शासन संकट के बाद दौड़ने के बजाय संकट से पहले संकेत पहचान ले। कहाँ बाढ़ का खतरा है, कहाँ टीकाकरण की जरूरत बढ़ रही है, कहाँ कौशल प्रशिक्षण की माँग है–यदि सूचना समय पर मिले तो संसाधन भी समय पर पहुँच सकते हैं। नीति प्रतिक्रिया से पूर्वानुमान की ओर बढ़ सकती है। भारत जैसे विशाल देश में यह बदलाव केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, जीवन बचाने और अवसर पैदा करने की क्षमता है।

तर्क स्पष्ट है : सूचना देर से मिले तो राहत बनती है; समय पर मिले तो रोकथाम की शक्ति बन जाती है। पर भारत की विविधता किसी डिजिटल फार्म की खाली खाने नहीं है। यहाँ भाषा बदलती है तो जीवन का मुहावरा बदलता है; रीति-रिवाज बदलते हैं तो जरूरतों की प्राथमिकताएँ भी बदलती हैं। पहाड़ी गाँवों में नेटवर्क कमजोर हो सकता है, रेगिस्तानी इलाकों में साक्षरता चुनौती बन सकती है; कहीं भूगोल बाधा है, कहीं तकनीकी पहुँच। यदि यह विविधता आँकड़ों में सही स्वर न पा सकी तो नीति एकरंगी हो जाएगी। डिजिटल व्यवस्था की कसौटी एकरूपता नहीं, प्रतिनिधित्व है। उसे हर आवाज सुननी होगी और यथासंभव उसकी अपनी भाषा में सुननी होगी। भारत की गिनती तभी भारत की तस्वीर बनेगी, जब उसमें उसके भूगोल, भाषाओं, जीवन-शैलियों और सामाजिक भिन्नताओं की पूरी छाप दिखाई दे।

लाभ की गहराई वहाँ शुरू होती है जहाँ शासन और नागरिक के बीच की दीवार पतली होती है। डिजिटल जनगणना नागरिक में यह भरोसा पैदा कर सकती है कि उसकी उपस्थिति दर्ज है और उसकी जरूरत शासन की नजर से बाहर नहीं। वह केवल किसी रजिस्टर की प्रविष्टि नहीं, नीति-निर्माण का सहभागी तथ्य है। यह अनुभूति सहयोग को जन्म देती है। नागरिक जब व्यवस्था पर विश्वास करता है, तो सूचना देने से लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन तक उसका सहयोग बढ़ता है। तब आँकड़े सरकार की बंद अलमारी में रखी संपत्ति नहीं रहते; वे समाज की साझा ज्ञान-संपदा बन सकते हैं। यही वह क्षण है जब डेटा प्रशासन की भाषा से निकलकर नागरिक-भागीदारी की भाषा बनता है।

फिर भी संख्या के पीछे छिपे मनुष्य को भूलना सबसे बड़ा खतरा है। स्वास्थ्य के प्रतिशत में वह माँ दिखाई नहीं देती जो अस्पताल तक पहुँच नहीं पाती। बेरोजगारी की दर उस युवा की बेचैनी नहीं बताती जिसकी डिग्री रोजगार में नहीं बदल सकी। आँकड़े जीवन का मानचित्र बना सकते हैं, जीवन स्वयं नहीं। इसलिए अधिकारी यदि केवल स्क्रीन और डैशबोर्ड पढ़ें, नागरिक की आँखें पढ़ना भूल जाएँ, तो डेटा-आधारित शासन निर्जीव प्रशासन बन जाएगा।

तिरंगा यात्रा : डीएम के नेतृत्व जगी देशभक्ति की अलख

बच्चों-बुजुर्गों और दिव्याँगजन ने किया तिरंगा का जयघोष

ललितपुर। तिरंगा यात्रा में शामिल डीएम-एएसपी और जनप्रतिनिधि।

ललितपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत मंगलवार को जिले में देशभक्ति के तराने गूँजते रहे।

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के नेतृत्व में पुलिस लाइन प्रांगण से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड सहित बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ मंगलवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस लाइन प्रांगण से हुआ। जिलाधिकारी समेत अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में सहभागिता की। यात्रा तुवन चौराहा, घंटाघर और वर्णी कॉलेज होते हुए वापस पुलिस लाइन पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। पूरे रास्ते देशभक्ति गीतों, भारत माता की जय और अन्य राष्ट्रभक्ति के नारों से शहर की सड़कें और गलियां गूंजती रहीं। तिरंगा यात्रा को देखकर जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा की। महिलाएं और दिव्याँगजन भी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के रंग में रंगे नजर आए। डीएम ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत इस तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जनपद के विभिन्न स्थानों पर भी तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा देश के वीर सपूतों, महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को श्रद्धाँजलि अर्पित करने का अवसर है। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने तथा देश की एकता, अखंडता और आपसी सौहार्द का संदेश देने की अपील की। तिरंगा यात्रा में राज्यमंत्री प्रतिनिधि चन्द्रशेखर पंथ, सांसद प्रतिनिधि अनिल पटैरिया, एमएलसी प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी व अन्य जनप्रतिनिधिगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। एडीएम दिनेश कुमार, एडीएम नमामि गंगे संजय मिश्र, एएसपी कालू सिंह, डीडीओ अतिरंजन सिंह, डीआईओएस ओपी सिंह, पर्यटन अधिकारी हेमलता, नपाध्यक्ष सोनाली जैन सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक और विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

आज कल्याण सिंह सभागार के तिरंगा मेले में होगी प्रदर्शनी और म्यूजिकल कॉन्सर्ट

जिलाधिकारी ने बताया कि 12 अगस्त को कल्याण सिंह सभागार में सुबह 10 बजे से तिरंगा मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद शाम 4 बजे से म्यूजिकल कॉन्सर्ट आयोजित होगा। उन्होंने जनपदवासियों से इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

हाईवे पर ट्रकों में हुयी आमने सामने की भिडंत

■ एक चालक की मौत, चार घायल ■ बिरधा के पास हुआ हादसा, चालक को क्रेन से निकाला गया

ललितपुर। मौके पर खड़े दुर्घटनाग्रस्त ट्रक।

ललितपुर। कोतवाली सदर क्षेत्र में सोमवार देर रात एनएच-44 पर ग्राम बिरधा के पास दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, चार लोग घायल हो गए।

सोमवार रात करीब 10 बजे दिल्ली से परचून का सामान लेकर एक ट्रक चेन्नई की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक एनएच-44 पर ग्राम बिरधा के पास पहुंचा, तभी सामने से गलत दिशा में आ रहे दूसरे ट्रक ने उसके ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। आमने-सामने हुई भिड़ंत में दूसरे ट्रक का चालक नाराहट के ग्राम डोंगराकलां निवासी खलक सिंह पुत्र शिवचरण ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से चालक को क्षतिग्रस्त केबिन से बाहर निकाला गया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में दोनों ट्रकों में सवार चार लोग भी घायल हुए हैं। चेन्नई जा रहे ट्रक में सवार हरियाणा के पलवल निवासी मुस्तकीन पुत्र मुवीन और सोहिल घायल हुए हैं। वहीं खलक सिंह के ट्रक में सवार ग्राम डोंगराकलां निवासी बृजेश पुत्र गणेश और मोनू भी दुर्घटना में घायल हैं। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। कोतवाली सदर प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी ने बताया कि चेन्नई की ओर जा रहे ट्रक का चालक शाकिर हादसे के बाद मौके से भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और किसकी लापरवाही रहीए इसकी जाँच की जा रही है। पुलिस ने मृतक चालक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

न्यूज ब्रीफ

किसानों की भव्य ट्रैक्टर एवं बाईक्स की तिरंगा यात्रा कल

ललितपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर जिले में यूनियन द्वारा एक विशाल बाइक एवं ट्रेक्टरों की तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन कल दिनाँक 13 अगस्त गुरुवार को होगा, जिसमें सेकड़ों ट्रेक्टर व बाईक्स पर हजारों किसान तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। यह तिरंगा यात्रा धौर्रा के पास कपासी तिराहे से निकल कर जिला मुख्यालय पर पहुंच कर जिले किसानों की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी सौंपेगी। इसके बाद यात्रा का समापन किया जायेगा। यह जानकारी भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह यादव ने दी है।

वीर दुर्गादास राठौर जयंती के पूर्व प्रतिमा निर्माण शुरू

ललितपुर। जिला राठौर क्षत्रिय समाज के तत्वावधान में वीर दुर्गादास राठौर की 388वीं जन्म जयंती 13 अगस्त गुरुवार को सिविल लाइन स्थित मैरिज गार्डन में धूमधाम से मनाई जाएगी।

जयंती समारोह को लेकर समाज में उत्साह है। इस दौरान समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने के साथ ही रक्तदान शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम और समाजसेवियों के सम्मान किया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी शिब्बू राठौर ने बताया कि सभी आयोजन भव्य रूप में आयोजित होंगे। राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा स्थापना को लेकर भी समाज में हर्ष का माहौल है। नपाध्यक्ष सोनाली जैन और ईओ दिनेश कुमार विश्वकर्मा के प्रयासों से पुराने मोटर स्टैंड के पास प्रतिमा स्थापना के लिए निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। समाज के पदाधिकारियों के अनुसार इस कार्य में पार्षद आलोक मयूर, जितेंद्र राठौर जीतू तथा जिला मीडिया प्रभारी शिब्बू राठौर सहित राठौर समाज के लोगों का सहयोग मिल रहा है। जन्म जयंती समारोह में सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, नपाध्यक्ष सोनाली जैन, जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत, नगराध्यक्ष भगत सिंह राठौर तथा रामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष बृजेश चौबे की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू करेंगे। जयंती समारोह को सफल बनाने के लिए राठौर समाज के पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं। बैठक में जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर राठौर, महामंत्री नीलेश्वर राठौर, कोषाध्यक्ष अरविंद राठौर तथा जिला प्रभारी समिति के विनोद राठौर मुनीम, रविशंकर राठौर पूर्व पार्षद, संतोष राठौर और राजकुमार राठौर सहित समाज के अन्य लोग कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में लगे हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता

■ आज पंजीकरण का आखिरी दिन

■ लायंस क्लब ललितपुर सेवा और ममता स्पोर्ट्स करायेंगे 15-16 अगस्त को आयोजन

ललितपुर। स्वतंत्रता दिवस-2026 के अवसर पर लायंस क्लब ललितपुर सेवा द्वारा ममता स्पोर्ट्स के सौजन्य से दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

प्रतियोगिता का आयोजन 15 और 16 अगस्त 2026 को सदनशाह स्थित स्पोर्ट्स अकेडमी में होगा। प्रतियोगिता को लेकर खिलाडियों में खासा उत्साह है। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में मिनी सबजूनियर अंडर-11, सबजूनियर अंडर-14 और जूनियर अंडर-17 वर्ग में बालक एवं बालिकाओं की एकल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा जूनियर अंडर-17 बालक एवं बालिकाओं तथा 17 वर्ष से अधिक आयु की सीनियर बालिकाओं की युगल प्रतियोगिताएं भी होंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 12 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। आयोजकों ने बताया कि 10 अगस्त तक सभी वर्गों में करीब 40 प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी हैं। अब पंजीकरण के लिए केवल दो दिन का समय शेष है। इच्छुक खिलाड़ी एवं उनके अभिभावक स्थानीय स्पोर्ट्स अकैडमी से संपर्क कर निर्धारित अंतिम तिथि तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं। आयोजकों ने जिले के बैडमिंटन खिलाडियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की अपील की है।

जिला गंगा समिति लगाएगी प्राकृतिक खेती कार्यशाला

गंगा नदी प्राधिकरण आदेश का होगा पालन

ललितपुर। अधिकारियों से वार्ता करते जिलाधिकारी।

ललितपुर। जिला गंगा समिति की मासिक बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने की। संचालन डीएफओ नवीन प्रकाश शाक्य ने किया। बैठक में जिलाधिकारी ने गंगा नदी प्राधिकरण आदेश 2016 के तहत क्षेत्रीय स्तर के अधिकारियों को संवेदीकृत किए जाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि लेखपाल, राजस्व निरीक्षक एवं अन्य राजस्व अधिकारी अनिवार्य प्रावधानों से पूर्णतः अवगत हो। गंगा नदी अथवा उसकी सहायक नदियों में किसी भी प्रकार का अनुपचारित अथवा उपचारित सीवेज, स्लज, व्यापारिक अपशिष्ट अथवा खतरनाक अपशिष्ट का निर्वहन नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की पूर्व स्वीकृति के बिना सक्रिय बाढ़ क्षेत्र में आवासीय, वाणिज्यिक अथवा औद्योगिक प्रयोजनों के लिए किसी भी स्थायी अथवा अस्थायी संरचना के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी विकास कार्य, पुल, तटबंध, जल संरचना घाट, जेटी आदि के निर्माण/स्थापना हेतु राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन से पूर्व अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जिला गंगा समिति के तत्वाधान में कृषि विभाग के सहयोग से प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया जाना तय किया गया। बैठक में उपायुक्त श्रम रोजगार, पंचायती राज अधिकारी, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, नोडल अधिकारी स्वास्थ विभाग, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, उप कृषि निदेशक, बुंदेलखंड सेवा संस्थान सचिव, परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति उपस्थित रहे।

जानलेवा हमले में इलाज के दौरान शिक्षक की मौत

गढ़ाघाट पेट्रोल पंप के पास रोककर पीटा गया था

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र में स्कूल से घर लौट रहे एक शिक्षक पर कथित रूप से जानलेवा हमला के बाद उपचार के दौरान शिक्षक की मौत होने से मामला गहरा गया है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना में शामिल आरोपी और मृतक आपस में रिश्तेदार हैं। गौरा निवासी केहर सिंह पुत्र सागर सिंह ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके बहनोई झरकौन निवासी अभय सिंह पुत्र मगन सिंह कचनौंदा कला स्कूल में अध्यापक थे। 10 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 2.50 बजे अभय सिंह स्कूल में पढ़ाने के बाद अपनी पुत्री भाग्यश्री और स्कूल के ही अन्य शिक्षक महिपाल के साथ घर लौट रहे थे। आरोप है कि गढ़ाघाट पेट्रोल पंप के पास पहले से घात लगाए कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया और रुपये की मांग की। रुपये देने से इनकार करने पर आरोपियों ने अभय सिंह के साथ गालीगलौज करते हुए लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान अभय सिंह की बेटी भाग्यश्री ने शोर मचाते हुए बीचबचाव का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। मारपीट के दौरान हमलावरों ने अभय सिंह के सिर पर पत्थर मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। यह देख आरोपी मौके से भाग निकले। इस दौरान आरोपियों की पिकअप वाहन संख्या एमपी 09 जीजी 2984 मौके पर ही छूट गई। घटना के बाद साथी शिक्षक महिपाल घायल अभय को उपचार के लिए जिला अस्पताल ललितपुर लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। उपचार अभय सिंह की मृत्यु हो गई। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने सात नामजद आरोपियों और एक अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है। नामजद आरोपियों में ग्राम झरकौन निवासी तुलसी, चंदन, मोर सिंह व मनोहर पुत्रगण जोरावल एवं अशोकनगर जिले के ठाठखेड़ी निवासी राजेश व देवेंद्र पुत्रगण रामदास शामिल हैं। मामले में एक अन्य अज्ञात व्यक्ति को भी आरोपी बनाया गया है। क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के अनुसार 10 अगस्त को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खोखरा में अभय सिंह के साथ मारपीट की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी और अग्रिम कार्यवाही की थी। सीओ सदर ने बताया कि अभय सिंह के साथ उनके जीजा के पारिवारिकजनों द्वारा मारपीट की गई थी। मामले में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भूमि विवाद में परिवार पर लाठी-कुल्हाड़ी से हमला

एक व्यक्ति का पैर टूटा, जबड़े में गंभीर चोट, एसपी से धाराएं बढ़ाने और गिरफ्तारी की माँग

ललितपुर। एसपी से शिकायत करने आये पीड़ित।

ललितपुर। बानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बानपुर में खेत की पैमाइश के विवाद को लेकर एक परिवार पर लाठी.डंडों और कुल्हाड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है।

पीड़ित आनंद सिंह के अनुसार 22 जुलाई की शाम वह परिवार के साथ खेत की पैमाइश कराकर लौट रहे थे। तभी हरीराम ढीमर के खेत के पास गोविंद, हरी सिंह, आकाश, अमर सिंह, शिवा, शिवेन्द्र और गजरा समेत अन्य लोगों ने रास्ता रोककर लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। सूचना पर पुलिस ने घायलों को सीएचसी बानपुर पहुंचाया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। मामले में 24 जुलाई को बानपुर थाने में एफआईआर संख्या 0188/2026 के तहत बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़ित का आरोप है कि गंभीर चोटों के बावजूद धाराएं नहीं बढ़ाई गई और आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार को धमका रहे हैं। पीड़ित ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर गंभीर धाराएं बढ़ाने, आरोपियों की गिरफ्तारी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

वाहनों की ओवर स्पीड पर लगाया यातायात विभाग ने ब्रेक

सड़क हादसों पर अंकुश लगाने 121 वाहनों के चालान किये

ललितपुर। वाहनों की जाँच करते टीएसआई।

ललितपुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने मंगलवार को एनएच 44 हाईवे और स्टेट हाईवे पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इंटरसेप्टर के माध्यम से वाहनों की गति की जाँच की गई। निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाते पाए जाने पर यातायात पुलिस ने 121 वाहनों के चालान किए। पुलिस के अनुसार यह अभियान पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेयी के निर्देश पर चलाया गया। अभियान में एएसपी कालू सिंह और सीओ यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम ने हाईवे पर वाहनों की सघन जांच की। इंटरसेप्टर मशीन के जरिए हाईवे से गुजरने वाले वाहनों की गति मापी गई। अनुमन्य गति सीमा से अधिक गति पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं में कार्रवाई करते हुए कुल 121 वाहनों के चालान किए गए। यातायात पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन सकती है। विशेष रूप से हाईवे पर अधिक गति में वाहन चलाने से दुर्घटना होने पर जानमाल के नुकसान का खतरा बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए ओवरस्पीड वाहनों की लगातार निगरानी की जा रही है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात संकेतों का पालन करें और निर्धारित गति सीमा के भीतर ही वाहन चलाएं। बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर आगे भी हाईवे और प्रमुख मार्गों पर चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी

आजादपुरा लेडिया में घरों में घुस रहा गंदा पानी

ललितपुर। डीएम को ज्ञापन देने आये मोहल्लेवासी।

ललितपुर। शहर के आजादपुरा-लेडिया क्षेत्र में मां शारदा इंटर कॉलेज के पीछे वाली गली में चल रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर मोहल्लेवासियों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी और जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर मामले की जांच और निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की है।

मोहल्लेवासियों का कहना है कि जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश और गंदा पानी गली में जमा हो रहा है और कई घरों के अंदर तक पानी पहुंचने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि निर्माण के दौरान जल निकासी का समुचित प्रबंध नहीं किया गया। सड़क का निर्माण इस तरह किया जा रहा है कि पानी की निकासी प्रभावित हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार जलभराव के कारण गली में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। इससे आवागमन प्रभावित होने के साथ ही मच्छरजनित बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। बताया कि पूर्व में इसकी शिकायत की गई थी। इसके बाद 10 अगस्त 2026 को उपजिलाधिकारी द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच की गई थी। मोहल्लेवासियों के मुताबिक मौके की स्थिति देखने के बाद निर्माण कार्य रुकवाया गया था तथा निर्देश दिए गए थे कि पहले जलभराव और जल निकासी की समस्या का समाधान किया जाए। इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा दोबारा निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है और उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायती पत्र पर विजय पाल, अमित प्रजापति, बलराम, कलावती, रामनरेश, रजनी साहू, राहुल, भूपेंद्र राठौर, पुष्पाए सीमा आदि के नाम और हस्ताक्षर दर्ज हैं।

तुलसी महोत्सव तैयारियो को लेकर डीएम ने की बैठक

चित्रकूट। जनप्रतिनिधियो के साथ बैठक करते डीएम

चित्रकूट। आगामी 18 एवं 19 जुलाई को आयोजित होने वाले तुलसी महोत्सव की तैयारियों के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। बैठक में आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास हिंदी साहित्य के महान संत कवि एवं श्रीराम के अनन्य भक्त थे। तुलसी महोत्सव के दौरान रामचरितमानस का पाठ, लोक गायन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाता है। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि राजापुर एवं आसपास के विद्यालयों के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया जाए। आयोजन स्थल पर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने उपजिलाधिकारी/ अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत राजापुर को आयोजन स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आयोजन समिति के सदस्यों से कहा कि सभी सदस्य नोडल प्रभारी एवं उपजिलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें, ताकि तुलसी महोत्सव का आयोजन भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल, गुलाब गुप्ता, पुलिस क्षेत्राधिकारी यामीन अहमद, उपजिलाधिकारी राजापुर सुश्री पूजा गुप्ता उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र परिषद की नई कार्यकारिणी गठित, आनंद जैन 'अंकु' बने अध्यक्ष

चिरगांव। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज चिरगांव में पूर्व छात्र परिषद की चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। चुनाव समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रक्रिया में विद्यालय के पुरातन छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। चुनाव परिणाम में आनंद जैन 'अंकु' को अध्यक्ष, नंदकिशोर कुशवाहा एवं अंकित शिवहरे को उपाध्यक्ष, आर्या शिवहरे को महामंत्री तथा ऋषिकांत अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद जैन 'अंकु' ने सभी पूर्व छात्रों और विद्यालय प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि पूर्व छात्र परिषद विद्यालय के विकास, सामाजिक सरोकारों और वर्तमान विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए निरंतर कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों को एकजुट कर विद्यालय की प्रगति में सक्रिय योगदान देना परिषद की प्राथमिकता रहेगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं संरक्षक मंडल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

चिरगांव में कल निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा, बबीना विधायक राजीव सिंह पारीक्षा होंगे मुख्य अतिथि

चिरगांव(झांसी)। देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार, 12 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे चिरगांव नगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में बबीना विधायक राजीव सिंह पारीक्षा एंव विशिष्ट अतिथि के रूप में चिरगांव ब्लॉक प्रमुख राजकांतेश वर्मा शामिल होंगे। तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। भाजपा चिरगांव मंडल अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा ने समस्त क्षेत्रवासियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं मंडल की पूरी टीम से अधिक से अधिक संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा राष्ट्र के प्रति प्रेम और देशभक्ति की भावना को जागृत करने के साथ-साथ देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को नमन करने का अवसर है।

उन्होंने बताया कि तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में लोग हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल होंगे। डीजे और देशभक्ति के गीतों के साथ यात्रा का माहौल राष्ट्रभक्ति से सराबोर रहेगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि सभी लोग पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ यात्रा में सहभागिता करें और इसे ऐतिहासिक बनाएं।

भाजपा मंडल अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा ने कहा कि पिछले वर्ष भी चिरगांव में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसमें क्षेत्र की जनता, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया था। उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष भी सभी के सहयोग और सहभागिता से तिरंगा यात्रा पहले से अधिक भव्य एवं विशाल रूप में संपन्न होगी।

उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए तिरंगा यात्रा में सहभागी बनना चाहिए।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने समस्त चिरगांव क्षेत्रवासियों से अपील की है कि बुधवार को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भव्य तिरंगा यात्रा को सफल बनाएं और वीर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा एवं राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करें।

न्यूज ब्रीफ

बीआरसी पहाडी मे मेडिकल कैम्प का आयोजन

चित्रकूट। समग्र शिक्षा अभियान (समेकित शिक्षा) के तहत मंगलवार को विकासखंड पहाड़ी स्थित बीआरसी परिसर में मेडिकल असेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप मे प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता वाले बच्चों का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। कैंप में ऐसे चिन्हित दिव्यांग बालक-बालिकाओं को शामिल कराया गया, जिनके दिव्यांगता प्रमाणपत्र अभी तक अद्यतन नहीं हुए थे या जिन्हें नए प्रमाणपत्र की आवश्यकता थी। कैंप में क्षेत्र के विद्यालयों से कुल 36 दिव्यांग बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। कैंप के दौरान जिले की मेडिकल बोर्ड की टीम ने बच्चों का परीक्षण कर उनकी दिव्यांगता का आकलन किया। परीक्षण के बाद 26 बच्चों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी किए गए, जबकि दो बच्चों को बेहतर चिकित्सकीय परीक्षण एवं उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल असेसमेंट कैंप का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक प्रमाणपत्र एवं सुविधाओं से जोड़ना है, ताकि शासन की ओर से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए संचालित योजनाओं और सुविधाओं का उन्हें लाभ मिल सके। कैंप में जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) श्याम सुंदर, विशेष शिक्षक कमलेश, राकेश, उमेश, संजय सिंह, रेनू मिश्र और कल्पना स्वर्णिकार उपस्थित रहे।

कांग्रेस की मजबूती के लिये पदाधिकारी करे तैयारी-मिश्रा

चित्रकूट। कांग्रेस संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता को आईसीसी पर्यवेक्षक दीपक मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे संगठन सर्जन के तहत जिले में संगठन के पुनर्गठन वह मजबूती के बारे में प्रस्तावित कार्य कार्यक्रम की जानकारी दी। जिसमें जिला और ब्लॉक स्तर पर कमेटियों के साथ बैठक हुआ सभी कांग्रेस जनों के साथ बातचीत तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ राय मशविरा किया जाना है। इसी के आधार पर आगे संगठन में बदलाव किया जाएगा। इसके साथ ही जिला कांग्रेस के कैंप कार्यालय में पीसीसी सदस्यों जिला कांग्रेस पदाधिकारी व ब्लॉक अध्यक्षों फंटल पदाधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी पदाधिकारी से अलग-अलग व सामूहिक रूप से बातचीत की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष कुशाल सिंह पटेल, पीसीसी पर्यवेक्षक आदित्य पाण्डेय, रामकिशन पटेल, राजेश, राकेश रंजना बरातीलाल पांडेय, सत्यनारायण कोल, अवधेश करवरिया, अनिल गुप्ता, शिवगुलाम वर्मा, चुनवाद प्रसाद प्रजापति, राकेश वर्मा, कालीचरण राजपूत, विनय सिंह चौहान, अकबरी बेगम, इंद्रपाल कोल, मेहंदी हसन मौजूद रहे।

डीआईओएस के आदेश की अनदेखी पर गोविंद दास इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य को नोटिस

चिरगांव। गोविंद दास इंटर कॉलेज, चिरगांव में छात्राओं की शिक्षण व्यवस्था को लेकर चल रहे मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक, झांसी ने सख्त रुख अपनाया है। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा 07 अगस्त 2026 को जारी नोटिस में गोविंद दास इंटर कॉलेज के प्रबंधक/प्रधानाचार्य को 23 जुलाई 2026 को जारी आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही आदेश के अनुपालन में लापरवाही की स्थिति में अग्रेतर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक के 23 जुलाई 2026 के आदेश में स्पष्ट किया गया था कि जब तक दोनों विद्यालयों से संबंधित विवाद समाप्त नहीं हो जाता, तब तक गोविंद दास कन्या इंटर कॉलेज में बालिकाओं तथा गोविंद दास इंटर कॉलेज में बालकों की शिक्षण व्यवस्था की जाए। आदेश में संबंधित अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए थे। बताया गया है कि उक्त आदेश की प्रति संबंधित पक्ष को पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजी गई थी, लेकिन डाक विभाग की रिपोर्ट के अनुसार प्राप्तकर्ता द्वारा पत्र लेने से इनकार कर दिया गया।

लंबित जनसमस्याओ पर युवाओ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। डीएम को ज्ञापन देने आये युवा

चित्रकूट। बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा ने विकासखण्ड मानिकपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतो मे वर्षो से लंबित जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की।

सौंपे ज्ञापन में बताया कि इन ग्राम पंचायतों के ग्रामीण आज भी पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, जल निकासी, विद्युतीकरण एवं पेयजल आपूर्ति जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कई बार संबंधित विभागों को अवगत कराने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, जिससे ग्रामीणों में भारी असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई कि ग्राम पंचायत रुकमा बुजुर्ग के मजरा सपहा स्थित प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छ पेयजल एवं आवागमन के लिये मार्ग की व्यवस्था की जाए। पशु चिकित्सालय रुकमा बुजुर्ग में पेयजल एवं संपर्क मार्ग का निर्माण कराया जाए। ग्राम पंचायत रुकमा बुजुर्ग में निर्मित पुस्तकालय का नियमित संचालन प्रारंभ कर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही ग्राम पंचायत रुकमा बुजुर्ग के मजरा बरहुनीतीर, खांच, लखनपुर तथा ग्राम पंचायत ददरी माफी के मजरा लंका पुरवा में जल निकासी नालियों का निर्माण कराया जाए।

ज्ञापन देने वालो मे समाजसेवी मुकेश पटेल, विपिन कुमार सिंह, श्रवण कुमार, अजय पटेल, सौरभ सिंह, लवकुश पटेल, पवन कुमार, विक्रम सिंह, दिनेश, हरवंश प्रसाद, अतुल उपस्थित रहे।

चन्द्रशेखर आजाद को किया याद

मऊरानीपुर (झाँसी) क्रान्तिकारी सेवक संघ समिति की एक बैठक प्यारे लाल बेधडक की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसमें तमाम क्रृताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर काँग्रेस नेता प्यारे लाल बेधडक ने कहा कि आजाद भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम का एक ऐसा वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद जिसको आज नमन करते हुये याद किया जा रहा है। साथ ही बताया गया कि आजाद को अंग्रेजों ने इलाहाबाद के ऐलफ्रेड पार्क में घेर लिया था। इसी के चलते चन्द्रशेखर आजाद के जीवन और उनकी क्रान्तियों पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर शिवनारायण सिंह परिहार, हनीफ मलिक, सुरेश नगाइच, रामकुमार श्रीवास आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ, हवन पूजन एवं विशाल भण्डारा 16 को

मऊरानीपुर (झाँसी) संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ, हवन पूजन एवं विशाल भण्डारा 16 अगस्त रविवार को सोमेश्वर महादेव मन्दिर, छतरपुर रोड (सालासार धाम कॉलोनी) मऊरानीपुर में होगा। उक्त जानकारी समस्त कॉलोनीवासी (सालासार धाम) मऊरानीपुर ने दी ।

नशामुक्ति अभियान के दूसरे दिन गूंजा संदेश-नशा नहीं, राजयोग बनेगा युवाओं की नई पहचान : राजयोगिनी कविता दीदी जी

गुरसराय। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा गुरसराय द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान के दूसरे दिन विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गल्ला मंडी मॉर्निंग ग्रुप,बडस एं ब्लूम स्कूल, श्री त्यागमूर्ति आत्माराम खैर इंटर कॉलेज बॉयज, श्री कल्याण बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज एवं श्री महावीर बाल शिक्षा संस्कार केंद्र के विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया तथा नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा दिलाई गई।इस अवसर पर बीके कविता दीदी जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा नशा हम पढ़ाई का, अच्छे लक्ष्य का, अच्छे चरित्र का, ऊंचे विचारों का साथ ही प्रतिदिन कुछ मिनट ध्यान का करें बुरे नशे को त्याग कर जीवन में राजयोग मेडिटेशन अपन अपनाकर स्वस्थ सुखी और चरित्रवान बने ब्रह्मबीके कल्याणी दीदी ने प्रेरणादायक उद्बोधन देते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। बीके दीक्षा दीदी ने विद्यार्थियों को जागरूक किया, वहीं बीके रेखा दीदी ने सभी को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा कराई।

इस अवसर पर मॉर्निंग ग्रुप अध्यक्ष सुखदेव सिंह दीपू भाई जी एवं विद्यालयों के प्रधानाचार्य श्रीमती अमिता पटेल जी प्राचार्य, प्रबंधक पुरुषोत्तम पटेल बडस एं ब्लूम स्कूल, श्रीधन प्रकाश तिवारी जी प्राचार्य खैर इंटर कॉलेज एवं श्री कल्याण बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश दुबे, श्री महावीर बाल शिक्षा संस्कार केंद्र प्रधानाचार्य रामकुमार परिहार सभी ने प्रेरक उद्बोधन देते हुए कहा कि नशा जीवन को अंधकार की ओर ले जाता है, इसलिए इससे दूर रहना ही सच्ची सफलता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। प्रधानाचार्यों ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। इस कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ रहा सम्मिलित ।

क्षय रोग परीक्षण शिविर का स्यावरी ग्राम में हुआ आयोजन

मऊरानीपुर (झाँसी) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत क्षय रोग नियन्त्रण कार्यक्रम के तहत आज स्यावरी ग्राम में क्षय रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रधान प्रतिनिधि कैलाश पटेल ने की। शिविर में 68 लोगों के एक्सरे व 25 लोगों की बलगम की जाँच की गयी। साथ ही लोगों को टीवी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुये जागरुक किया गया।

भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा देश की अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक : अंजना अनुरागी

पनवाड़ी, महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली। पनवाड़ी ब्लॉक परिसर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्तंभ से शुरू हुई यात्रा गायत्री मंदिर तक गई। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यकर्ताओं ने वीर शहीदों के नारे लगाए। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों को राष्ट्रध्वज के सम्मान और देश के प्रति जिम्मेदारियों का संदेश दिया। ब्लॉक प्रमुख अंजना श्रीप्रकाश अनुरागी ने कहा कि तिरंगा देश की अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है। यह वीर शहीदों के बलिदान के प्रति कृतज्ञता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, गौरव और सम्मान से जुड़ा है। अभियान का उद्देश्य लोगों को तिरंगे के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना से जोड़ना है। तिरंगा यात्रा में भाजपा जिला महामंत्री इंजीज श्रीप्रकाश वर्मा, मंडल अध्यक्ष संतोष पाठक, वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर तिवारी, उमाशंकर मिश्रा, नीरज द्विवेदी, श्रीप्रकाश मिश्रा, संतोष विश्वकर्मा, गौरव अग्रवाल सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एच पी वी का कराएं टीकाकरण : डॉ ओ पी राठौर

गुरसराय। खेर इंटर कॉलेज बालिका विभाग में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए छात्राओं को एच पी वी का टीकाकरण किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ ओ पी राठौर के निर्देशन एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी की देखरेख में तथा जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेन्द्र पटेल की उपस्थिति में छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 से 15 वर्ष की छात्राओं को टीकाकरण कराना अनिवार्य बताया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम में सहायक शोध अधिकारी डॉ अनुराग गुप्ता, सुपरवाइजर विष्णु आर ,ए एन एम नेहा देवी एवं आशा मीना देवी ने टीकाकरण में सहयोग किया। इस मौके पर बालिका विभाग के प्रभारी कैलाश प्रकाश गुप्ता , वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ विवेक मुदगल, प्रवक्ता सुनील व्यास,राम प्रकाश पचौरी,राजेश चंद्र,राजेन्द्र प्रसाद,प्रदीप कुमार सोनी, ऋतु सिंह, संजय दोन्दे रिया,अर्चना मोदी,सरजू शरण पाठक,राज बहादुर सिंह,अमित प्रताप भदौरिया, राकेश कुमार व्यास,राम सेवक गौतम,सुरभि पटेल,रजनी यादव,अशोक कुमार आर्या,दीपा गुप्ता, विवेक गुप्ता, खुशबू जैन, पूजा निरंजन,सौरभ अग्रवाल ,हरिश्चंद्र नायक,कौशलेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

चिरगांव से निकलेगी वीरांगना कांवड़ यात्रा, खेड़ापति सरकार से जल लेकर भोलेनाथ का होगा अभिषेक

चिरगांव (झांसी)। सावन माह के अंतिम सोमवार को चिरगांव कस्बे से भव्य वीरांगना कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं और युवाओं में खासा उत्साह है। आयोजकों ने यात्रा को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रा का नेतृत्व अनूप शिवहरे देहाती और उनके छोटे भाई दिलीप शिवहरे करेंगे।

आयोजकों के मुताबिक कांवड़ यात्रा सोमवार सुबह करीब आठ बजे चिरगांव कस्बे से रवाना होगी। श्रद्धालु कांवड़ लेकर खेड़ापति सरकार, बराटा पहुंचेंगे, जहां से पवित्र जल भरकर चिरगांव लौटेंगे। इसके बाद भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया जाएगा।

बैठक में तैयारियों पर हुई चर्चा

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में बबीना विधायक राजीव सिंह परीक्षा समेत कस्बे के वरिष्ठ नागरिक, गणमान्य लोग और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में यात्रा के मार्ग, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

दिलीप शिवहरे ने कहा कि यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मार्ग में पेयजल, भोजन सहित आवश्यक व्यवस्थाएं कराने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे।

दिलीप शिवहरे ने बताया कि इस वर्ष यात्रा को भव्य स्वरूप देने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष चिरगांव से निकलने वाली कांवड़ यात्रा में हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि यात्रा को और आकर्षक एवं भव्य बनाया जा सके।

आयोजक अनूप शिवहरे ने कहा कि इस वर्ष की वीरांगना कांवड़ यात्रा पूरे बुंदेलखंड में अपनी अलग पहचान बनाएगी। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के शामिल होने की संभावना है।

पुलिस रहेगी मुस्तैद

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिस प्रशासन ने भी यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की बात कही है। बैठक में अशोक दुबे, लल्ला कुशवाहा, बटटन सोनी, अंकु जैन, मुनि महाराज करणेश वाजपेयी, मतसूदन, अरविंद गुप्ता, संदीप नामदेव, राहुल गुप्ता, नमन नगरीय, मानसगेड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन की ओर से वरिष्ठ उपनिरीक्षक आनंद सिंह पुलिस बल के साथ उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर चिरगांव में शिवभक्तों और युवाओं में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालु खेड़ापति सरकार से पवित्र जल लेकर लौटेंगे और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर आस्था एवं भक्ति का संदेश देंगे।

स्कूली वाहन चालकों का होगा चरित्र सत्यापन : एडीएम

- परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में एडीएम ने दिखाए कड़े तेवर
- 15 विद्यालयों के वाहन अनफिट, नोटिस जारी होगी एफआईआर दर्ज
- 09 स्कूली वाहन की फिटनेस समाप्त थानों में कराया बंद

झांसी जयूसं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।

अपर जिलाधिकारी ने बैठक में समीक्षा के दौरान कड़े तेवर दिखाते हुए प्रधानाचार्यों एवं स्कूल प्रबंधकों को उनके कर्तव्यों का बोध कराया और कहा कि प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा एवं जीवन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा स्कूली वाहनों से संबंधित निर्दिष्ट मानकों का सख्ती से अनुपालन किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत स्कूली वाहन चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन भी किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में उपस्थित प्रधानाचार्य/व्यवस्थापक एंव अध्यापकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अनफिट वाहन किसी भी दशा में सड़क पर नहीं चलेंगे। उन्होंने सेंट माइकल स्कूल, महाचरण स्मारक महाविद्यालय, आलोक नायक विद्यालय, कर्मा एकेडेमिक पब्लिक स्कूल, सेंट जॉन पॉल स्कूल, मारुति नंदन विद्यानिकेतन, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्थान, कर्मा एकेडमिक पब्लिक स्कूल, श्री गुरुदेव पब्लिक स्कूल, सेंट उमर पब्लिक स्कूल, श्री रामराजा इंटर कॉलेज, श्रीराम धाम महाविद्यालय, वीरांगना लक्ष्मीबाई प्राइवेट आईटीआई आदि विद्यालयों का नाम लेते हुए बताया कि सभी के यहां संचालित वाहनों की फिटनेस एक्सपायर हो गई है। तत्काल वाहनों का फिटनेस कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा एफआईआर दर्ज कर परमिट निरस्त करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी ने अब तक सभी स्कूल/कॉलेजों में बच्चों को लाने ले जाने वाले वाहनों और वाहन चालकों की जानकारी उपलब्ध न कराएं जाने पर नाराजगी व्यक्त की और तीन दिन में समस्त सूचनाएं जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में उपलब्ध करने के निर्देश दिए ।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देशित किया की समस्त विद्यालयों के स्कूली वाहनों की जांचोपरांत 09 स्कूली वाहन जिनकी फिटनेस समाप्त हो गई है, उन्हें संबंधित थाने में बंद करा दिया गया है।इसके अतिरिक्त 14 स्कूली वाहन जिनका पंजीयन निरस्त कर दिया गया है किसी भी दशा में सड़क पर न चले। इसे कड़ाई से सुनिश्चित किया जाए, उन्होंने ऐसे वाहनों को सीज़ करने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्कूली वाहनों के प्राइवेट ड्राइवरों का वेरिफिकेशन एंव उनकी चिकित्सीय जांच भी कराना सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में एआरटीओ हेमचंद्र गौतम ने बताया कि जनपद में कुल 2402 स्कूल इसमें मदरसे भी शामिल। संचालित हो रहे स्कूली वाहनों की जांच में 511 है, जिसमें 14 का पंजीयन निलंबित,15 वाहनों की फिटनेस वैध नहीं थी, सभी को नोटिस दिया जा चुका है। तत्काल फिटनेस कराना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में एफआईआर दर्ज कर वाहन का पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रती वर्मा को निर्देशित किया कि स्कूल में ट्रैफिक प्रोग्राम संचालित हो, जिसमें बच्चों को यातायात की जानकारी देते कैसे सड़क पर सुरक्षित चला जाता है की जानकारी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कितने बच्चे स्कूल में हेलमेट लगाकर आते हैं, स्कूल प्रबंधन से उक्त जानकारी लेना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर सीओ ट्रैफिक सुश्री प्रीति सिंह, रविंद्र पांडेय आरएलपीएस, एआरटीओ एस के अग्रवाल, एआरटीओ सुजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त श्रीमती रोली गुप्ता, मिलन गुप्ता, प्रधानाचार्य उस्मान खान सहित विभिन्न स्कूलों से आये स्कूल प्रबंधक/प्रधानाचार्य व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छेड़छाड़ के आरोप में तीन साल का कारावास, पाँच हजार अर्थदंड

झांसी जयूसं। न्यायालय विशेष न्यायाधीश पोस्को एक्ट मोहम्मद नेयाज अहमद अंसारी की अदालत ने तीन वर्ष पूर्व महिला के साथ छेड़खानी और विरोध करने पर उसके सर पर पत्थर मारकर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी पर घटना का आरोप सिद्ध होने पर उसे तीन वर्ष का कारावास और पांच हजार रूपये अर्थदंड से दंडित करने का फैसला सुनाया है। विशेष शासकीय अधिवक्ता विजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि 17 जनवरी 2022 को एक महिला ने थाना सदर बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि वह मोहल्ले में स्थिति किराने की दुकान पर सामान लेने गई थी। तभी वहां पहले से मौजूद ग्राम सिंघरा निवासी अरुण कुशवाहा ने उसके साथ छेड़खानी कर दी। जिसका विरोध करने पर अरुण ने उसके सर पर पत्थर मार दिया और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेजकर 17 जनवरी 2023 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। इसकी सुनवाई के दौरान स्वतंत्र साक्षी और वादी की ठोस गवाही पर आरोपी अरुण पर आरोप सिद्ध हो गया। न्यायालय ने उसे आज तीन वर्ष की सजा और पांच हजार अर्थदंड अदा करने का फैसला सुनाया है।

न्यूज ब्रीफ

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रेलवे स्टेशन पर सघन सुरक्षा व चेकिंग अभियान चलाया

झांसी जयूसं। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रेलवे परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से ललितपुर रेलवे स्टेशन पर सघन सुरक्षा एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सहायक सुरक्षा आयुक्त, झांसी, निरीक्षक,क्राइम विंग, निरीक्षक,जीआरपी, बम डिस्पोजल टीम एवं डॉग स्क्वॉड द्वारा पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल के साथ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा टीमों द्वारा संदिग्ध वस्तुओं, लावारिस सामान एवं संदिग्ध गतिविधियों की विशेष रूप से जांच की गई। साथ ही यात्रियों एवं रेलवे परिसर में आने-जाने वाले व्यक्तियों पर भी सतर्क निगरानी रखी गई।

अभियान के दौरान कोई भी संदिग्ध अथवा असामान्य वस्तु/गतिविधि नहीं पाई गई। रेलवे प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी एवं आकस्मिक जांच अभियान जारी रखने की बात कही गई है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से भी अपील की है कि वे किसी भी लावारिस वस्तु अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल/जीआरपी अथवा रेलवे कर्मचारियों को दें तथा सुरक्षा जांच में सहयोग करें।

28 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

झांसी जयूसं। उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा निर्गत विभिन्न पत्रों एवं परिपत्रों के अनुपालन में मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, झाँसी में स्टेनोग्राफर के पद पर जिला न्यायालय एवं शासन से सेवा निवृत्त ऐसे कर्मियों की पुनर्नियुक्ति की जानी है, जिन्हें स्टेनोग्राफर का कार्य करने का अनुभव हो तथा जिन्होंने सिविल न्यायालय अथवा राज्य सरकार के किसी अन्य विभाग में कार्य किया हो। पूर्व में किसी मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण में उक्त पद पर कार्य कर चुके सेवा निवृत्त कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाएगी। पीठासीन अधिकारी/नियुक्ति अधिकारी, मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने बताया कि उक्त पद पर पुनर्नियुक्ति के लिए जिला न्यायालय अथवा राज्य सरकार के किसी भी विभाग से सेवा निवृत्त तथा सभी अर्हताएं रखने वाले कर्मचारियों से निर्धारित शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुनर्नियुक्ति हेतु सेवा निवृत्त कर्मी अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर 28 अगस्त 2026 को सायं 04 बजे तक कार्यालय, मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, झाँसी को प्राप्त करा सकते हैं। पुनर्नियुक्ति की प्रक्रिया अथवा पुनर्नियुक्ति पर अन्तिम निर्णय का अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी/पीठासीन अधिकारी, मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, झाँसी को होगा।

शहीदों, महापुरूषों के स्मारकों पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

झाँसी जयूसं। घर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम शहीदों और महापुरुषों के स्मारकों पर स्वच्छता के कार्यक्रम के क्रम में सीपरी बाजार मंडल के सुभाष मार्केट आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर स्वच्छता का कार्यक्रम पुष्पांजलि की एवं कारगिल सहित पार्क में अमर शहीदों,आजादी की प्रथम दीपशिखा महारानी लक्ष्मी बाई जी की प्रतिमा परिसर में स्वच्छता एवं पुष्पांजलि अर्पित की, वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा परिसर में स्वच्छता एवं पुष्पांजलि अर्पित की, लोकमता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा परिसर में स्वच्छता कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। के स्मारक पर स्वच्छता का कार्यक्रम करक पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंडल संयोजक/ महामंत्री विशाल ठाकुर सभासद लखन कुशवाहा, वरिष्ठ नेता अमर सिद्ध सहित सम्मानित जन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत सितम्बर में : न्यायिक व प्रशासनिक स्तर पर तेज हुई तैयारियाँ

- न्यायिक मजिस्ट्रेटों ने लंबित वादों की समीक्षा की
- बैंकों व बीएसएनएल के अधिकारियों के साथ प्री-लिटिगेशन मामलों पर हुआ मंथन

झांसी जयूसं। राष्ट्रीय लोक अदालत को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने एवं अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में न्यायिक एवं प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी गति से की जा रही हैं। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झांसी श्रीमती कमलेश कच्छल के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मंगलवार को दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन कर व्यापक रणनीति तैयार की गई।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुधा यादव ने जिले के समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक कर न्यायालयों में लंबित मुकदमों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि न्यायालयों में लंबित शमनीय आपराधिक मामलों, धारा 138 एन.आई. एक्ट, यातायात चालानों तथा लघु अपराधों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित किया जाए। साथ ही सभी न्यायालयों में ऐसे मुकदमों की सूची तैयार कर संबंधित पक्षकारों को समय से समन एवं नोटिस की तामील सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत की निर्धारित तिथि पर मामलों का सुगमता से निस्तारण कराया जा सके।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती ईशा त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैंकों एवं बीएसएनएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्री-लिटिगेशन मामलों को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक में बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, यूपी ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, श्रीराम फाइनेंस तथा बीएसएनएल के अधिकारी उपस्थित रहे।

सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने संस्थानों से संबंधित ऋ ण वसूली, एनपीए, फाइनेंस विवाद एवं टेलीकॉम बिलों से जुड़े प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को तत्काल चिह्नित किया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व ही संबंधित पक्षकारों एवं ग्राहकों के साथ पूर्व-वार्ता आयोजित की जाए, जिससे नियमानुसार मिलने वाली छूट एवं अन्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करते हुए अधिक से अधिक विवादों का स्थायी एवं सौहार्दपूर्ण समाधान कराया जा सके।

बैठकों में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती कमलेश कच्छल की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आम जनमानस से अपील की गई है कि वे 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने लंबित न्यायालयीन, बैंकिंग एवं वित्तीय मामलों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निःशुल्क निस्तारण करानेअधिक संख्या में सहभागिता करें।

शिव पुराण कथा, दीप यज्ञ का आयोजन

झांसी जयूसं। युग निर्माण योजना और विचार क्रान्ति अभियान के अन्तर्गत कोछाभांवर में शिवपुराण कथा एवं दीप यज्ञ के साथ तीस कन्याओं द्वारा महामृत्युंजय का जाप आहूतियों एवं व्रत सम्पन्न किया गया। शिवपुराण कथा आचार्य ने सुनाई व कन्याओं को व्रत उपवास उपरांत प्रसादी पैकेट अध्यक्ष मैथली शरण जी मुदगिल द्वारा वितरण किये गये। एवं कृष्णा यादव ने सभी कन्याओं को दक्षिणा वितरित की एवं ममता व सोनिया ने शिव जी से संबंधित गीत सुनाये।

हर घर तिरंगा रैली का आयोजन

झाँसी जयूसं। हर घर तिरंगा अभियान के तहत , आर्य कन्या महविद्यालय में कार्यवाहक प्राचार्या डॉ सौम्या वर्मा की उपस्थिति मे लेफ्टिनेंट डॉ. शारदा सिंह ने 48 कैडेट्स के सहयोग से हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया । इस मौके पर, एनसीसी कैडेट्स ने हाथों में राष्ट्रीय तिरंगा झंडा लेकर उत्साह से भाग लिया और देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया। च्हर घर तिरंगाज्ज अभियान नागरिकों को राष्ट्रीय झंडे के साथ व्यक्तिगत गतिविधि और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत, 11 अगस्त 2026 को आर्य कन्या महविद्यालय झाँसी मे आज की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ सौम्या वर्मा की उपस्थिति मे एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ शारदा सिंह ने 48 कैडेट्स के सहयोग से हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया । इस मौके पर ,एनसीसी कैडेट्स ने हाथों में राष्ट्रीय तिरंगा झंडा लेकर उत्साह से भाग लिया और देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया। च्हर घर तिरंगाज्ज अभियान नागरिकों को राष्ट्रीय झंडे के साथ व्यक्तिगत गतिविधि और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय 13 को मनाएगा 31 वाँ दीक्षांत समारोह

झांसी जयूसं। सफलता के पचास वर्ष पूर्ण होने के बाद अपना 31 वां दीक्षांत समारोह मनाने जा रहा बुंदेलखंड विश्विद्यालय ने स्थापना दिवस समारोह की पूर्ण तैयारी कर ली है। 13 अगस्त को 31 वां दीक्षांत समारोह मनाया जाएगा। इस समारोह के मुख्यातिथि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन होंगी।

मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कुलपति मुकेश पांडे ने बताया कि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय बुंदेलखंड क्षेत्र सात जिलों में पिछले पचास वर्षों से उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश शासन का एनएएसी से ए ग्रेट स्वीक्रेडेटिड पीएमद -ऊषा केमेरू में चयनित उत्कृष्ट विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त को विश्वविद्यालय अपना 31 वां दीक्षांत समारोह मनाने जा रहा है। इस दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की महा महिम राज्यपाल होंगी। नागेश्वर राव अध्यक्ष कार्यकारी समिति राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्ययान परिषद नेक एवं पूर्व कुलपति इंदिरा गांधी मुक्त विश्विद्यालय इग्नूसमारोह के मुख्य अतिथि होंगे। तथा दीक्षांत समारोह में उपाधि एवं मेडल प्राप्त कर्ता विद्यार्थियों को ओजस्वी दीक्षांत अभिभाषा से अभिसिंचित करेंगे।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं राज्य शिक्षा मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी । भीलवाड़ा राजस्थान दिनेश सोनी पिछबाई चित्रकार को उनके पिछवाई कला के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डी लेट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में कुल मेडल संख्या 35 है, तथा 33 छात्र-छात्राओं में वितरण हो रहा है। कुलाधिपति पदकों में 12 ग्रामीण, 21 शहरी क्षेत्र के छात्र- छात्रा शामिल है, इनमें एक ही छात्रा को तीन मेडल प्राप्त हो रहे है। स्वर्ण पदक एक छात्रा, रजत पदक 15 छात्रा, एक छात्र, कांस्य पदक 12 छात्राओं, 6 छात्र, विन्याधिकृत पदक में 37 छात्राएं, 9 छात्र, डिग्री विवरण वर्ष 2026 में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं से संबंधित स्नातक छात्राएं 16494, छात्र 12970, परास्नातक 3300 छात्राएं, 1645 छात्र, पीएचडी 46 छात्राएं, 37 छात्र शामिल है। उन्होंने कहा इस बार भी उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन नारी सुरक्षा सम्मान के तहत छात्राओं ने पुरुष छात्रों से ज्यादा मेडल, उपाधि प्राप्त की है।

गुरु चरणों में ही छिपा है अलौकिक आनंदः विशाश्री माताजी

झांसी जयूसं। अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में चल रहे 48 दिवसीय 1008 भक्तामर महा मण्डल आराधना विधान के नौवें दिन मंगलवार को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज से दिगम्बर दीक्षा लेने दिल्ली जा रहे छह ब्रह्मचारी भैया झांसी पधारे, जिनमें पांच ब्रह्मचारी भाईयों बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से गोद भराई की गयी।जिनकी गोद भराई की गयी उनमें ब्र.अंकित भैया,ब्र.अनिकेत भैया,ब्र.यश भैया,ब्र. प्रसन्न भैया एवं ब्र.वकीलचंद्र भैया की गोद भराई समारोह धूमधाम से हुआ।

दिगम्बर जैन पंचायत समिति, चातुर्मास समिति एवं सकल जैन समाज झांसी की ओर से कमेटी के सभी पदाधिकारियों,पुण्यार्जक परिवार एवं उपस्थित सभी महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने खुशियां मनाते हुते तिलक कर पगड़ी पहनाई, मेंहदी लगाई,फल एवं ड्राई फ्रूट से गोद भराई करते हुए माला,अंगवस्त्र एवं संयम के उपकरण भेंट किये।

इस मौके पर दीक्षोपदेश देते हुए आर्यिका 105 विशाश्री माताजी ने कहा कि आज का पावन पुण्य दिवस झांसी वासियों को अनायास ही प्राप्त हुआ है, उन्होंने कहा कि मुनियों के दर्शन तो तीर्थ क्षेत्र में जाकर सभी कर लेते हैं पर मुनि बनने वालों के दर्शन हम सबके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि साधु कभी किसी को सिखाने या जगाने नहीं आते वे तो सदैव जन जन के कल्याण में रत रहते हैं किंतु विरले ही सौभाग्यशाली होते हैं जो उनके वात्सल्य, वैराग्य, नियम संयम की दिन चर्या और मधुर वाणी से प्रभावित होकर संसार में रहकर संसाराधीन होने की ठान लेते हैं और गुरु दीक्षा लेकर देवत्व की राह पकडकर स्वयं तो मोक्ष के मार्ग पर चलकर मोक्ष प्राप्त करते ही हैं, साथ ही दूसरों को भी मोक्ष का मार्ग दिखाते हैं। उनके यह गुरु भाई आनन्द की जिंदगी त्यागकर लौकिक नहीं पारलौकिक आनंद लेने के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सभी को अपना शुभाशीष देते हुए कहा कि जिन्होंने अपनी सारी इच्छाएं गुरु चरणों में समर्पित कर दी है, वे निश्चय ही अपने कदमों को उन्नति की ओर बढ़ायेंगे।

नौवें दिवस के पुण्यार्जक

श्रीमती आशा डा.जिनेंद्र कुमार जैन , डा.संचिता डा.जयेश जैन,अमित प्रधान ,आलोक जैन,डा.राखी जैन एवं अतिशय जैन विश्व? परिवार रहे, जिन्होंने पं.दीपक कुमार जैन करैरा के संचालन में समस्त धार्मिक क्रियायें सम्पन्न कर अर्घ समर्पित किये।संचालन दिगम्बर जैन पंचायत समिति के महामंत्री कमल जैन एवं करगुवांजी मंत्री शिरोमणि जैन ने किया।अंत में चातुर्मास समिति के कोषाध्यक्ष बाहुबलि जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।इं बालचंद्र जैन,शगुनचंद्र जैन,श्रेयांश जैन, मक्खन,रानू जैन बघेरा, कुलदीप जैन, अरविन्द वैद्य आदि ने शांति धारा की।इस मौके पर श्रीमती रानी भागचंद जैन निर्माण मंत्री, रवींद्र रेल्वे, डा.कैलाश जैन,संजय जैन डीके,डॉ.अमित जैन,विधि सलाहकार अशोक जैन, डा.अमित जैन,अशोक जैन जैनिथ, विनोद जैन ठेकेदार, श्रीमती प्रीति जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी